आरएनआई / पीआरजीआई नं. : 59755/94
डाक पंजीयन संख्या : मेरठ-232-2026-28



ताजा समाचारों के लिए हमारा एंड्रॉयड ऐप डाउनलोड करें
harikamaldarpan.com

केन्द्र व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शासकीय विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

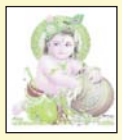
राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

हरिकमल दर्पण

सम्पादक : निरंजन सिंह पाल | मो. : 9358430959 | Email : niranjanpal10021963@gmail.com

वर्ष 33 अंक 41 | मेरठ, गुरुवार 5 नवम्बर, 2026 | Website:- harikamaldarpan.com | कुल पृष्ठ : 12 | मूल्य : दो रुपये

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ



महेन्द्र पाल
(मिर्ची)



मो. 8057545916
Shop : 01140234527
SPECIALIST IN : RED CHILLY
Deals in : Kirana, Dry Fruity Merchant & Commission Agents

प्रतिष्ठान :
1. कृष्णा ट्रेडिंग कम्पनी
75, गडोदिया मार्किट फर्स्ट फ्लोर, खारी बावली, दिल्ली-6
2. अमर सिंह एण्ड संस
408, कटरा मेदग्रान, ईश्वर भवन, दिल्ली-6
3. मंगूमल महेन्द्र कुमार
6105-6106, गली बताशां, खारी बावली, दिल्ली-6

निवास स्थान : प्लाट नं. 50, सेक्टर 7, रामप्रस्थ ग्रीन वैशाली, गाजियाबाद

जागो धनगर जय अहिल्या बाई जय धनगर



Diwali
2026



2026

आल इंडिया धनगर समाज महासंघ मध्यप्रदेश की सरफ से दीपावली के पावन पर्व की सभी स्नेही जनों, स्वजनों, शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं
अनिल धनगर
(प्रदेश अध्यक्ष)
ऑल इंडिया धनगर समाज महासंघ जबलपुर (मध्यप्रदेश)
(सचिव, आदिवासी पीठ)
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर म.प्र. (मो. 9165202780)

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ









सभी देशवासियों को दीपावली की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं।
प्रकाश का पर्व आपसी मतभेदों को समाप्त करे।



सूबेदार मेजर (से.नि.) हरपाल सिंह पाल, कतोरी



अनंत पाल



संजय कुमार पाल
विद्युत विभाग

पाल पतंजलि स्टोर, 638/50, न्यू सैनिक कॉलोनी, खिर्वा रोड, कंकरखेड़ा, मेरठ मो. 9758196520



समस्त पाल समाज एवं सभी सामाजिक बंधुओं को
धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ


चमन सिंह पाल
समाजसेवी


सुमित पाल


अमित पाल

दीपों का यह पावन पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए — ऐसी मंगलकामना है।

अमित डेयरी एण्ड कन्फैक्शनरी
सी-46, श्रद्धापुरी फेस-2, कंकरखेड़ा, मेरठ कैंट | मो. 9219927061, 9084162629

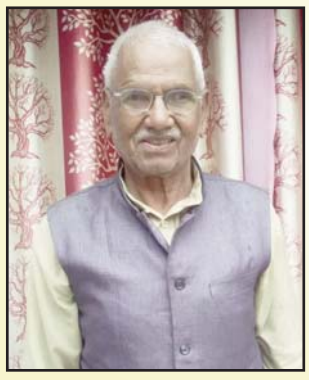
The Pratibha International School
Little World Public School
The Pratibha Eduversity



सभी क्षेत्रवासियों को
दीपावली,
गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं

Add. C-18 Sector 1 Shatabdi Nagar Rithani Meerut.. | Contact.. 9045671767..

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ



ओमप्रकाश पाल
क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी), रोहटा ब्लॉक
ग्राम इदरीशपुर, भोला रोड, मेरठ

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ



एडवोकेट नीरज पाल
सॉलिसिटर एवं अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट
निदेशक-मातृभूमि सेवा संस्थान
अध्यक्ष-अखिल भारतीय पाल महासभा
दिल्ली प्रदेश एवं प्रभारी उत्तर प्रदेश

कार्यालय : चैंबर नं.-261, लॉयर्स चैंबर्स ब्लॉक, साकेत जिला न्यायालय परिसर, दिल्ली-110017

निवास : 777 (ग्राउंड फ्लोर), ब्लॉक नंबर 12, काली बाड़ी लेन, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, हैवलॉक स्क्वायर, प्रेसिडेंट एस्टेट, दिल्ली-110001

+91-9911752988 https://neerajpal.com
advocateneerajdelhi@gmail.com

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ


सुरेन्द्र पाल


अजीत पाल
पूर्व राज्य मंत्री, उ.प्र.
साहिबाबाद प्रभारी, बहुजन समाज पार्टी


चन्द्रभान पाल
रजि. नं0 555155

गढ़वाल पनीर भण्डार (रजि.)
- 8, ऊषा काम्पलेक्स, शिवाजी रोड, मेरठ शहर। फोन : 9911431222
- 2-ए, हरवंश मार्केट, दादरी रोड, सेक्टर 27, अट्टा, नोएडा, जी.बी. नगर। फोन : 9971921222
- जी-101, नीलकंठ प्लाजा, एल्फा फर्स्ट कामर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा, जी.बी. नगर। फोन : 9999329164
- गढ़वाल डेरी, दामोदर काम्पलेक्स, निकट पोस्ट ऑफिस, सेक्टर 37, नोएडा, जी.बी. नगर। फोन : 9289068819

जय माँ अहिल्या जय मल्हार



पाल सेवा संघ
- सेवा का एक मिशन -
समस्त देशवासियों सहित पाल-गडरिया-धनगर समाज के सभी बड़े बुजुर्ग, माताओं तथा भाईयों एवं बहनों को दीपावली पर्व तथा नूतन व्यावसायिक वर्ष की
ढेर सारी शुभकामनाएं
तथा हार्दिक बधाई !
पाल सेवा संघ परिवार की ओर से
शुभ दीपावली



निवेदकः-
ईश्वरदेव पाल 'गुरुजी'
महापौर पुरस्कृत पूर्व प्रधानाध्यापक
राष्ट्रीय अध्यक्ष, पाल सेवा संघ
अध्यक्ष : पाल गडरिया धनगर समन्वय समिति मुंबई

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ


एक दाम की दुकान


सुभाष पाल
(उपाध्यक्ष, अ.भा. पाल महासभा मेरठ)


धर्मेन्द्र पाल

9719408500
9897577779

फैन्सी साड़ी सैन्टर
हमारे यहाँ पर शादी के सभी कपड़े मिलते हैं जैसे लहंगा, चुनरी, सूट-दुपट्टा, सिन्थेटिक साड़ी, शाल, कम्बल, बैडशीट, परदे एवं सूटिंग-शर्टिंग आदि

यादव मार्किट, किशनपुरा, ओवर ब्रिज मलियाना, बागपत रोड, मेरठ

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन–पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ

जयपाल सिंह पाल सहित बसपा के कई नेताओं ने ग्रहण की सपा की सदस्यता





लखनऊ। 26 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर बहुजन समाज पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इनमें प्रमुख रूप से मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी रहे दारा सिंह प्रजापति एवं बहुजन समाज पार्टी मेरठ के पूर्व जिलाध्यक्ष जयपाल सिंह पाल शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि जयपाल सिंह पाल पिछले 30 वर्ष से लगातार बहुजन समाज पार्टी में कर्मठ नेता रहे हैं। वे दो बार नगर निगम मेरठ के पार्षद और दिल्ली प्रदेश के बसपा प्रभारी भी रह चुके हैं। लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, मेरठ के जिलाध्यक्ष कर्मवीर सिंह गुमी, मुजफ्फरनगर के सांसद हरेंद्र मलिक, विधायक सरधना अतुल प्रधान, विजयपाल कश्यप एवं पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सहित अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रजापति, पाल समाज, कश्यप एवं सैनी समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। **-ब्यूरो**

बलवीर पाल व अनिल पाल ने ली सपा की सदस्यता





लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी से वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ चुके और वर्तमान समय में भाजपा की राजनीति कर रहे चित्रकूट के नेता बलवीर पाल तथा प्रयागराज के पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी अनिल पाल 26 अक्टूबर को सपा में शामिल हो गए। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें सदस्यता दिलाई। गौरतलब है कि बहुजन समाज पार्टी में बलवीर पाल लम्बे समय तक जिलाध्यक्ष समेत विभिन्न संगठनात्मक पदों की जिम्मेदारियों का निर्वाह कर चुके है। वह बसपा में जिला सगंठन मंत्री, जिला कोषाध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, लोकसभा महासचिव व पाल भाईचारा के बुन्देलखण्ड प्रभारी रहने के बाद वर्ष 2022 में मानिकपुर विधानसभा 237 से बसपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े थे और उन्हें 46,000 मत प्राप्त हुए थे। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हो गए थे। सपा के प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय अध्यक्ष से वार्ता के बाद उन्होंने 26 अक्टूबर को लखनऊ में सपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। **-ब्यूरो**

सपाईयों ने पुलिस की मौजूदगी में मुकेश पाल देशबंधु को पीटा



कन्नौज। मकरंद नगर तिराहे पर 24 अक्टूबर को उस समय अफरातफरी मच गई जब हिन्दुस्तान आजाद मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश पाल देशबंधु को सपा कार्यकर्ता पुलिस की मौजूदगी में पीटने लगे। काफी मशक्कत के बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें बचाया। मुकेश पाल की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दरअसल, हिन्दुस्तान आजाद मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश पाल देशबंधु ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और स्व. मुलायम सिंह यादव का पुतला फूंकने का ऐलान किया था। इस पर मकरंद नगर तिराहे पर पुलिस पहले से मुस्तैद थी। इसकी जानकारी पर सपा कार्यकर्ता भी पहुंच गए। मुकेश पाल को आता देख सपाइयों ने उन्हें घेर लिया और पुलिस की मौजूदगी में कई थप्पड़ जड़ दिए। उन्हें गिराकर भी पीटा गया। मुकेश पाल की तहरीर पर सदर कोतवाली में सपा नेत्री शशिमा दोहरे, मन्ना यादव, भानु गुप्ता और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सदर कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सभी आरोपों की जांच-पड़ताल कराई जा रही है। **-ब्यूरो**

धनगर महापंचायत में उठाई जाति प्रमाण पत्र की मांग



टूंडला। 25 अक्टूबर को गांव बासदानी में धनगर महापंचायत हुई जिसमें धनगर अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाने की मांग मुख्यमंत्री से की गई। धनगर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष व अध्यक्ष मानव अधिकार सर्वेक्षण भंवर सिंह धनगर एडवोकेट ने हक अधिकार बताते हुए कहा कि जिस समाज में एकता नहीं होती वह अपना अधिकार नहीं प्राप्त कर पाता है। विगत 7 वर्षों से तहसीलदार धनगर हक को रोक रहे हैं इसलिए धनगर समाज को एकजुट होकर हक की लड़ाई लड़नी होगी। यदि शासनादेश के तहत हक नहीं मिल सका तो शासन का आदेश विलुप्त हो जाएगा और कभी प्रमाण पत्र नहीं मिल सकेंगे। धनगर समाज के व्यक्ति धनगर समाज के राजनेताओं व जनप्रतिनिधियों से अपनी मांग नहीं कहते हैं इसलिए हर बार राजनेता समाज का वोट लेकर विधानसभा-लोकसभा पहुंच जाते हैं लेकिन सरकार में अपनी बात नहीं रखते हैं। इसलिए धनगर अबकी बार इकट्ठा हो जाएं और प्रदेश के मुखिया से अविलंब प्रमाण पत्र जारी करने की मांग करें। धनगर समाज हक न मिलने पर सरकार को रोकने का काम करे। उन्होंने धनगर समाज में व्याप्त कुरीतियों को त्यागने पर बल दिया। बैठक में ममता धनगर, बाबूराम धनगर, राजन सिंह धनगर, देवेंद्र धनगर, राजवीर धनगर, होरीलाल धनगर, मुकेश धनगर, हरिओम धनगर, सपना धनगर, नीतू धनगर, भूरी सिंह धनगर, अनीता धनगर, गंगा देवी धनगर, देवेंद्र धनगर, सुखदेव धनगर, ओमवती धनगर, रीता धनगर आदि ने भाग लिया। **-ब्यूरो**

रवि कुमार बघेल बने युवा प्रदेश महासचिव



हैदराबाद। अलवल, सिकंदराबाद निवासी रवि कुमार बघेल को ऑल इंडिया धनगर समाज महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र सिंह धनगर ने तेलंगाना का युवा प्रदेश महासचिव मनोनीत किया है। रवि कुमार बघेल वर्तमान में उत्तर भारतीय समाज सेवा संघ राष्ट्रीय संस्थापक, ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष व समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव पद पर भी कार्यरत हैं। नई जिम्मेदारी मिलने पर हरिकमल दर्पण परिवार की ओर से उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ। **-सम्पादक**

इं. बी.के. पाल भाजपा के जिला महामंत्री मनोनीत



ललितपुर। अखिल भारतीय पाल महासभा जनपद शाखा के जिलाध्यक्ष इं. बी.के. पाल को भारतीय जनता पार्टी पिछडा वर्ग मोर्चा का जिला महामंत्री मनोनीत किया गया है। उक्त जानकारी प्रकाश पाल पत्रकार ने दी। हरिकमल दर्पण परिवार की ओर से उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ। **-सम्पादक**

राज्यमंत्री से की धनगर जाति प्रमाण पत्र बनवाने की मांग



टूंडला। 27 अक्टूबर को धनगर महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने धनगर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष भंवर सिंह धनगर एडवोकेट के नेतृत्व में सर्किट हाउस फिरोजाबाद में रमेश चंद दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री एवं सदस्य उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग से भेंट की और धनगर जाति प्रमाण पत्र बनवाने की मांग की। राज्यमंत्री ने कहा कि वे यह समस्या मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे। मुलाकात के दौरान बीएस पाल, पप्पू, विनोद धनगर, रंजीत बघेल धनगर, संतोष प्रधान, रामावतार धनगर, पुष्पराज प्रधान, युवराज प्रधान, छोटेलाल धनगर, धर्मेंद्र धनगर, लाखन सिंह धनगर प्रधान, मुकेश धनगर आदि मौजूद रहे। **-ब्यूरो**

शिवपूजन पाल ने 90 किमी दूर जाकर वोट डाला



मिर्जापुर। जनपद के पटेहरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा गढ़वा निवासी शिवपूजन पाल ने 90 किलोमीटर की दूरी तय करके अपने मताधिकार का प्रयोग किया। स्नातक एमएलसी निर्वाचन की मतदाता सूची में शिवपूजन पाल का नाम पटेहरा ब्लॉक के बजाय जमालपुर ब्लॉक में दर्ज था। जब मतदाता सूची की जाँच की गई, तो उन्हें पता चला कि मतदान करने के लिए उन्हें लगभग 90 किलोमीटर दूर जमालपुर ब्लॉक जाना पड़ेगा। लेकिन उन्होंने दूरी की परवाह नहीं की और लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जमालपुर ब्लॉक पहुँचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राष्ट्रीय समाज पक्ष के जांबाज सिपाही हैं शिवपूजन पाल। उनका राजनीतिक सफर भी काफी लंबा रहा है। वे 96-मिर्जापुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं। इसके अतिरिक्त मझवां उपचुनाव और रॉबर्ट्सगंज से भी चुनाव लड़ चुके हैं। वे अब तक लगभग आठ चुनाव लड़ने का अनुभव रखते हैं। उनका यह कदम संदेश देता है कि लोकतंत्र में मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी है। **-अनिल कुमार पाल एडवोकेट**

रोहतक में आगरा के मुकेश हुए सम्मानित



रोहतक। विलक्षणा एक सार्थक पहल समिति द्वारा लखमी चंद्र स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉरमिंग एंड विजुअल आर्ट्स के मिनी ऑडिटोरियम में आगरा निवासी मुकेश कुमार ऋषि वर्मा को विलक्षणा समाज सारथी सम्मान-2026 प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान साहित्य के क्षेत्र में प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न, अंगवस्त्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार और पूर्व राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा मुख्य अतिथि मौजूद रहे। इनके साथ ही पद्मश्री डॉ. महाबीर गुड्डू, बोहल शोध मंजूषा के प्रधान संपादक डॉ. नरेश कुमार सिहाग एडवोकेट सहित हरियाणा के प्रसिद्ध लोक कलाकारों ने शिरकत की। कार्यक्रम आयोजक डॉ. सुलक्षणा अहलावत, डॉ. विकास शर्मा, नन्द किशोर, अजित कुमार आदि बधाई के पात्र हैं जिन्होंने आगरा की कलम को विलक्षणा समाज सारथी सम्मान-2026 से सम्मानित किया। हरिकमल दर्पण परिवार की ओर से मुकेश कुमार ऋषि वर्मा को बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ। **-सम्पादक**

अमरलेख अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्यिक मंच इटावा का तृतीय काव्य महोत्सव सम्पन्न



लखनऊ। सरस्वती चिल्ड्रेन एकेडमी तकरोही विहार इंदिरानगर में ऐतिहासिक कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। कवि सम्मेलन के पहले सत्र में मुख्य अतिथि एवं जनकल्याण समिति लखनऊ के अध्यक्ष डॉ. आर.पी. सिंह एवं समाज के प्रबुद्ध मनीषियों को अंगवस्त्र, माल्यार्पण और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय सत्र में लखीमपुर खीरी के कवि पवन पाल की पुस्तक 'धुँधला आईना' का लोकार्पण और कवियों का सम्मान हुआ। सम्मान की श्रृंखला में अहिल्याबाई होल्कर संस्था लखनऊ ने अमरलेख के अध्यक्ष डॉ. राम प्रकाश 'पथिक' को डॉ. 'मुन्ना लाल पाल सम्मान 5100' व अमर लेख संस्था के संस्थापक 'कवि रवि पाल खामोश' को 'डॉ. उमा शंकर पाल सम्मान 5100' से सम्मानित किया। कार्यक्रम अपने निश्चित समय 1 बजे अपरान्ह से प्रारंभ हुआ और 8 बजे शाम तक चला। कार्यक्रम के आयोजक राम नरेश पाल (लखनऊ), संयोजक डॉ. जितेंद्र 'जय' (लखनऊ) रहे। कच्छ गुजरात से आई डॉ. संगीता पाल, डॉ. राम प्रकाश 'पथिक' कवि सम्मेलन के अध्यक्ष, संस्था के संस्थापक कवि रवि पाल 'खामोश' एवं अमर पाल 'अमर' (रायबरेली) के संचालन में डॉ. सुशीला साथी, अर्जेंट सिंह, सोनू पाल निर्भीक, डॉ. जगदीश नारायण 'गुप्त', कृष्ण कुमार 'मौर्य', डॉ. सुशीला पाल, डॉ. संगीता पाल, ओमपाल सिंह 'ओम', अनुज अवनीश पाल 'कविमन', पवन पाल, अमरपाल (सरपंच), पुनीत पाँचाल ने शानदार काव्य पाठ किया। **-अमर पाल 'अमर'**

पाल सेवा संघ की प्रदेश कमेटी की बैठक सम्पन्न



जौनपुर। 25 अक्टूबर को 'पाल सेवा संघ' के प्रदेश अध्यक्ष बंशराज पाल के आवास पर ग्राम बड़ेरी, मड़ियाहूँ में 'पाल सेवा संघ' की प्रदेश कमेटी की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश कमेटी के तमाम पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में 'पाल सेवा संघ' के उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जनपद-कमेटियों के गठन का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार कैलाशनाथ पाल एवं प्रदेश सचिव हौसिला प्रसाद पाल (प्रवक्ता- इंटर कालेज) ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। 'पाल सेवा संघ' के संयोजक डा. एल.बी. पाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष सियाराम पाल (प्रबन्धक डिग्री कालेज), उप सचिव पूर्व ग्राम प्रधान चन्द्रेश पाल एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। **-बंशराज पाल**

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन–पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ

हरिकमल दर्पण

एकता का नया दीप जलाएं!



देश में गडरिया समाज की भारी जनसंख्या है। एक अनुमान के अनुसार लगभग 12 करोड़ लोग इस समाज के देश में रहते हैं। गडरिया समाज के लोग लगभग सभी क्षेत्रों में अपनी कामयाबी के नए-नए आयाम स्थापित कर रहे हैं लेकिन दुर्भाग्य से मीडिया के क्षेत्र में इस समाज की सहभागिता लगभग नगण्य है जिसके कारण शासन-प्रशासन में हम अपनी बात पूरी दमदारी के साथ नहीं रख पाते। इसका दुष्परिणाम यह है कि राजनीति में भी हमारी भागीदारी अन्य समकक्ष समाजों के मुकाबले बहुत कम है और समाज के लोगों पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ भी हम मुखर होकर आवाज नहीं उठा पाते हैं। मीडिया के क्षेत्र में समाज की दमदार भागीदारी हो, इसके लिए हरिकमल दर्पण एक अनूठा प्रयास करने जा रहा है। हमने हरिकमल दर्पण प्राइवेट लिमिटेड के नाम से कम्पनी बनाई है जो भविष्य में गडरिया समाज के मीडिया हाउस के रूप में कार्य करेगी। हरिकमल दर्पण समाचार पत्र ने अपने पुनर्प्रकाशन के सात वर्ष से भी कम समय में समाज को जागरूक करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। यह समाचार पत्र अब केन्द्र सरकार के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार से भी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त है। इसके साथ ही हरिकमल दर्पण का न्यूज पोर्टल भी पिछले करीब डेढ़ वर्ष से नियमित रूप से चल रहा है, हालांकि यह अभी तक पूरी तरह घाटे में ही है लेकिन निकट भविष्य में यह न केवल पूरी दुनिया में गडरिया समाज की आवाज बनेगा बल्कि शासन-प्रशासन को भी हिलाने की ताकत रखेगा। इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। समाज के तमाम बुद्धिजीवियों ने इस पहल का स्वागत किया है लेकिन हमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक अपनी पहुंच बनानी है और सभी का सहयोग लेकर आगे बढ़ना है। आइए, दीपावली के इस पावन पर्व पर सामाजिक एकता का एक नया दीप जलाएं, जो पूरे विश्व को नई रोशनी से प्रकाशित करे। इसी अनुरोध के साथ सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस हफ्ते इन्हीं शब्दों के साथ जय पाल समाज!

-निरंजन सिंह पाल

अपना दीपक स्वयं बनें, मन का अंधेरा मिटाएं!

भारतीय संस्कृति में समय-समय पर विभिन्न प्रकार के पर्व मनाए जाते हैं। मूल समाज जो आदिकाल से पर्वतों की तराई में निवास करने वाला समाज है, कहा जाता है कि जब मानवीय सभ्यता का शुभारंभ हुआ तब उस समय पशुपालन और कृषि का कार्य करने वाला केवल एक ही समाज था, वह है गडरिया। कालांतर में विकास हुआ, जनसंख्या बढ़ी, लोग यहां-वहां फैल गए और अपने क्षेत्र में अपनी सुविधा के अनुसार अपनी खुशियों को अपनों के बीच बांटने के लिए, साझा करने के लिए, अपने को व्यस्त रखने के लिए ऐसे नियम, पर्व, त्यौहार बनाते गए जो आज परंपरा के रूप में संपूर्ण विश्व में व्याप्त हैं। प्रारंभिक समय में यह पर्व स्वच्छता के लिए, अपनी पवित्रता के लिए, अपने मन की शुद्धि के लिए, विचारों की शुद्धि के लिए सादगी के साथ मनाए जाते रहे, किंतु कालांतर में यह भी विकृत होता चला गया। दीपावली, दशहरा सहित अनेक व्रत और त्योहार औपचारिक मात्र न रहकर व्यावसायिक रूप से मनाए जाने लगे जिसका बिगड़ा हुआ स्वरूप आज हम सबको देखने को मिलता है। महात्मा बुद्ध ने कहा था-'अप्प दीपो भव' अर्थात अपना दीपक स्वयं बनो। फिर आर्य जब यहां आए और उन्होंने मूर्ति-पूजा सहित विभिन्न परंपराएं शुरू कीं तथा विभिन्न वर्ण-जाति-गोत्र के आधार पर कार्य प्रारंभ किया तो यह धीरे-धीरे विभिन्न वर्गों में विभक्त होता चला गया। बाद में हिंदू संस्कृति/भारतीय संस्कृति के नाम पर इसे सभी जाति और धर्म के लोग लक्ष्मी-पूजन व श्रीराम के अयोध्या आगमन के साथ जोड़कर मनाने लगे। दीपावली पर्व के पहले घरों, दुकानों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई आदि करने का प्रचलन सा चल पड़ा। इससे अनेक प्रकार के कचरे से मुक्ति मिलती है, साफ-सफाई होती है, नया व्यापार होता है, खाता-बही बनते हैं। पशुओं को भी नए अनाज का भोजन बनाकर खिलाया जाता है। ऐसी ही अनेक परंपराओं से जुड़ा हुआ दीपावली का पर्व है। महात्मा बुद्ध के अनुसार, जब हम इस पर्व के संदर्भ में शोध करते हैं, खोज करते हैं तो इसे बुद्ध दिवाली के नाम से प्रचलन में जाना और पहचाना जाता है। बुद्ध ने अपने अनुयायियों को इसी दिन यह उपदेश दिया था कि 'बाहर का दीपक जलाने से थोड़ी देर के लिए उजाला होता है, लेकिन यदि हम अपने भीतर के दीपक जो हमारे ज्ञान का दीपक है, हमारे विवेक का दीपक है, जो हमारे भीतर विद्यमान है, यदि हम उसे प्रज्वलित करें, उसे जागृत करें, उसके आधार पर हम अपने मन-बुद्धि-विचार के अंधकार को दूर करें तो इससे हमारे मन-बुद्धि-विचार की भी सफाई होगी और हम एक सच्चे और अच्छे नागरिक के रूप में अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन कर सकेंगे।' भारत लोकतांत्रिक देश है, यहां सभी को अपने पर्व-त्यौहार मनाने की स्वतंत्रता है। लेकिन फिजूलखर्ची, दिखावा, जुआ, शराब और पटाखों से अपने आपको, परिवार को व अपने बच्चों को बचाकर रखें। दीपावली मनाने के तात्पर्य को भली-भांति समझकर दीपावली मनानी चाहिए। दीपावली के दिन ऐसी सामाजिक कुरीति है कि लोग जुआ खेलते हैं, शराब पीते हैं, और अपना सब कुछ लुटा देते हैं। यहां तक कि अनेक प्रकार की गंभीर दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं। हमारा अभिप्राय आपकी सुरक्षा से है, आपके परिवार की खुशहाली से है। इसलिए आप सावधानीपूर्वक ऐसे त्योहार को अपने परिवार के साथ संपन्न करें। दीपावली के समय अनेक प्रकार के तंत्र-मंत्र और यंत्र के प्रचार-प्रसार करने वाले लोग कम समय में अधिक धन का लालच देकर धन को लूट लेते हैं, लोगों की हत्या हो जाती है, बलि के नाम पर पशुओं की निर्ममतापूर्वक हत्या होती है। इससे आप स्वयं बचें और दूसरों को भी जागरूक बनाएं तो आपका दीपावली मनाना ना केवल सार्थक होगा बल्कि सफल भी होगा। लक्ष्मी पूजन से प्रसन्न नहीं होती, लक्ष्मी उद्योग से, व्यापार से, मेहनत से, ईमानदारी से काम करने पर प्रसन्न होती है। अंत में यही कहूंगा कि जो महात्मा बुद्ध ने कहा है 'अपना दीपक स्वयं बनो' इस पर जरूर विचार करें। सभी को दीपावली की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।



-नारायण प्रसाद पाली, साहित्यकार
मो. 9575761235

जातीय जनगणना को लेकर आवाज उठाएं!

वर्तमान समय में जातीय जनगणना का काम पूरे देशभर में होना है। सरकार की मंशा ओबीसी जनगणना को लेकर के साफ नहीं है, कारण जो सरकार के द्वारा सर्वे प्रश्नावली बनाई गई है वह ओबीसी व सामान्य/सवर्ण जाति की अलग-अलग नहीं है। यह ओबीसी के साथ धोखा है; उसमें एससी,एसटी व अन्य सामान्य जाति का कालम एक साथ ही है जो अलग-अलग होना बहुत जरूरी है। यह किसी भी तरह से जनगणना आंकड़ों के लिए ठीक नहीं है। आप सब जहाँ जिस दशा में हैं, इसका विरोध करें। सही कालम बने; ओबीसी व सामान्य जाति का भी। इस पर जिसके पास कोई पद है या किसी सामाजिक, राजनैतिक पार्टी का पदाधिकारी है, वह भारत सरकार के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति को इस आशय का पत्र लिखे। इस निर्णायक समय में चुप न बैठें। अब बात बहस में है तो सभी लोग अपना विरोध दर्ज करायें, जो समयानुसार उचित ही नहीं नितांत उचित है। ओबीसी समाज से ज्यादा यह बात एससी, एसटी के मंचों से उठाई जा रही है जो ओबीसी समाज के लिए सोचने की बात है। आप सब स्वस्थ विरोध के लिए आगे आएं, नहीं तो आपकी आने वाली संतति आपको माफ नहीं करेगी। लोकतंत्र है, आप सब अपनी बात कहें। राजनैतिक पार्टियों को वोट इसी दबाव के साथ दें, यह समय की मांग है।



-जगदीश प्रसाद पाल, उन्नाव
मो. 9794866822

श्रेष्ठ समाज बनाने में योगदान करें!

मेरे एक भाई ने कहा, 'भंडारे में अपना आदमी नहीं रहेगा तो अपनी थाली में अच्छी-अच्छी चीजें, बड़ा लड्डू कौन डालेगा?' भाईजी बेईमान को ही भंडारे में सर्विस देने वाले वेटर बनाना चाहते हैं। भाईजी मैंने पढ़ा है : अयं निज परोवेति, गणना लघु चेतसाम! ये अपना वो पराया, ऐसी सोच निम्न आचरण वालों में पाई जाती है। पक्षपाती लोगों को निम्न आचरण वाला समझा जाना चाहिए। क्या 'वसुधैव कुटुंबकम' सिर्फ कहने-सुनने के लिए है? इसे आचरण में उतारने की शिक्षा हम अपने बच्चों को नहीं देना चाहेंगे? धनगरों, मेरे भाइयों, मेरे मित्रों! उच्च आचरण अख्तियार करो! श्रेष्ठ मानव बनो! वैश्वीकरण का युग है। निम्न आचरण वाले कहीं टिक नहीं पायेंगे। मन, कर्म और वचन से :- झूठ नहीं बोलना है। चोरी नहीं करना है। हिंसा नहीं करना है। नशापान नहीं करना है। यौन कदाचार नहीं करना है। जुआ नहीं खेलना है। छल-प्रपंच नहीं करना है। धोखा-फरेब नहीं करना है। सम्मानहीन आजीविका नहीं चुनना है। सबसे प्रेम करना है। सबको सम्मान देना है। ऊंच-नीच, भेदभाव, पक्षपात से दूर रहना है। दुष्टों से भी दूर रहना है। इन बातों को आपने आचरण में लाने वाला धनगर श्रेष्ठ मानव है, ब्राह्मण है। तो आइए, हम धनगरों का सभ्य समाज, श्रेष्ठ समाज बनाने में योगदान करें!



-हीरालाल राऊत, नागपुर
मो. 9960600712

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का अनादर न करें राजनेता!

किसी सार्वजनिक स्थल पर पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के साथ स्व. मुलायम सिंह यादव का चित्र लगाए जाने पर पाल समाज द्वारा प्रश्न उठाना स्वाभाविक है। वह भी तब, जब सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल स्वयं उस स्थल पर अग्रिम पंक्ति में उपस्थित हों। यह किसी राजनेता के प्रति अनादर का प्रश्न नहीं, बल्कि इतिहास, शासन-दृष्टि, लोक-कल्याण, महिला सशक्तिकरण, अर्थव्यवस्था, कृषि, समतामूलक सामाजिक और धार्मिक विकास के संदर्भ में लोकमाता देवी अहिल्याबाई के वास्तविक जमीनी प्रयासों को ओछी राजनीति के चक्कर में भूलने का है। प्रश्न लोकमाता देवी अहिल्याबाई जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्व के सम्मान का ही नहीं, बल्कि उनके योगदान की गरिमा का भी है। लोकतंत्र में सभी जनप्रतिनिधियों का सम्मान हो सकता है, लेकिन सम्मान का अर्थ यह नहीं कि अलग-अलग ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के योगदान को बिना किसी भेद के समान धरातल पर प्रस्तुत कर दिया जाए। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर अठारहवीं शताब्दी की ऐसी शासिका थीं, जिन्होंने व्यक्तिगत जीवन में असहनीय दुखों, राजनीतिक विरोध और सत्ता संबंधी चुनौतियों के बीच एक राज्य का उत्तरदायित्व सँभाला था। उनकी महानता इस बात में थी कि निजी शोक को उन्होंने सार्वजनिक दायित्व के आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने सत्ता को व्यक्तिगत वैभव का साधन बनाने के बजाय जनकल्याण का माध्यम बनाने का आदर्श प्रस्तुत किया। उनके योगदान को केवल मंदिर निर्माण से समझना अधूरा होगा। सड़कों, घाटों, जलस्रोतों और धर्मशालाओं जैसी सुविधाओं से विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों और आम लोगों को भी लाभ मिलता था। उनके शासन की ऐतिहासिक प्रतिष्ठा में धार्मिक आस्था के साथ न्याय, प्रशासनिक स्थिरता और लोकहित का बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। उनके प्रशासन में जन-सुलभ न्याय, किसानों की आजीविका, व्यापार की सुरक्षा और यात्रियों की सुविधाओं जैसे कार्य ऐसे आदर्श प्रस्तुत करते हैं, जो आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था में किसानों की क्षमता के अनुरूप राजस्व व्यवस्था, व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा और सार्वजनिक निर्माण पर ध्यान देना उनके प्रशासन की महत्वपूर्ण विशेषताएँ



थीं। माहेश्वर में शिल्प, वस्त्र-निर्माण और व्यापार को बढ़ावा देने से उनकी आर्थिक दृष्टि भी स्पष्ट होती है। इस प्रकार उनका लोक-कल्याण केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं था; वह आजीविका, आवागमन, आर्थिक गतिविधियों और सार्वजनिक सुविधाओं से भी जुड़ा हुआ था। उनके राजनैतिक दर्शन की सीमा केवल धार्मिक स्थलों का निर्माण नहीं, बल्कि न्याय, कर्तव्य, करुणा और जन-कल्याण को शासन के केंद्र में रखना भी था। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की विरासत का मूल्यांकन जाति या समुदाय के राजनीतिक समर्थन से आगे बढ़कर किया जाना चाहिए। किसी शासक की वास्तविक कसौटी यह है कि वह अपने राज्य में न्याय, सुरक्षा, आजीविका और सार्वजनिक हित के लिए क्या करता है। अहिल्याबाई की ऐतिहासिक प्रतिष्ठा इसी व्यापक प्रशासनिक और लोककल्याणकारी योगदान से जुड़ी हुई है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के शासन में आम जनता बेहद खुश थी और उन्हें देवी की तरह पूजती थी। लोकमाता को लाखों-करोड़ों लोग केवल एक ऐतिहासिक शासिका के रूप में नहीं, बल्कि न्याय, सेवा, त्याग और प्रजातांत्रिक नेतृत्व के प्रतीक के रूप में देखते हैं। उनकी स्मृति मंदिरों, घाटों, धर्मशालाओं, लोक-परंपराओं और जनश्रद्धा में सदैव जीवित है। लोकमाता को उनके जीवन में जनता द्वारा जो मान-सम्मान प्राप्त हुआ, वह किसी एक राजनीतिक दल या चुनावी समीकरण तक सीमित नहीं किया जा सकता है। वे राष्ट्र की एक अद्वितीय धरोहर हैं। लोकमाता का जीवन यह संदेश देता है कि नेतृत्व की वास्तविक प्रतिष्ठा सत्ता के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि जनता के जीवन में छोड़े गए सकारात्मक परिवर्तन से निर्मित होती है। कठिन परिस्थितियों में राज्य को सँभालना, न्याय और प्रशासन को महत्व देना उनके जीवन का एकमात्र लक्ष्य था। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का व्यक्तित्व किसी एक राज्य या राजनीतिक धारा तक सीमित नहीं है। उनका जीवन न्यायपूर्ण शासन, जनकल्याण, धार्मिक आस्था, सार्वजनिक निर्माण और कठिन परिस्थितियों में उत्तरदायित्व निभाने की प्रेरणा देता है। इसलिए लोकमाता देवी अहिल्याबाई का सम्मान करते समय उनके ऐतिहासिक योगदान की विशिष्टता, अतुलनीयता और सर्वोच्चता को दरकिनार करते हुए किसी राजनेता के साथ प्रस्तुत करना एक बेहद संजीदा भूल कहलाएगी। इसलिए लोकमाता देवी अहिल्याबाई के साथ किसी भी आधुनिक राजनीतिक व्यक्ति की फोटो लगाने से पहले ऐतिहासिक परिस्थितियों, जनता को प्राप्त अधिकारों की प्रकृति, शासन की जिम्मेदारियों और जनता के प्रति उनके समर्पण इत्यादि के संदर्भ में विवेकशील चिंतन अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। सनद रहे, आधुनिक राजनेताओं के सामाजिक और राजनीतिक योगदानों के साथ शासन काल की आलोचनाओं, विवादों और निर्णयों की भी समीक्षा होती है। यह प्रत्येक पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सदैव स्मरण रखना चाहिए। लोकतंत्र में सम्मान सबका होता है, होना भी चाहिए। लेकिन इतिहास में स्थान योगदान, कृतित्व और विरासत के आधार पर निर्धारित होता है। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की गरिमा का सम्मान करने का सबसे सार्थक तरीका उनके त्यागपूर्ण जीवटता, न्यायप्रिय, लोककल्याणकारी और उत्तरदायी शासन के आदर्शों को समझना और सम्पूर्ण (व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक) जीवन में उन्हें धारण करना है। सनद रहे, ऐतिहासिक व्यक्तित्वों का सम्मान करना अच्छी बात है, लेकिन सर्वप्रिय न्याय की देवी के रूप में विश्व-प्रसिद्ध पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जैसे अद्वितीय ऐतिहासिक व्यक्तित्व के प्रति विवेकपूर्ण ऐतिहासिक समझ सहित समुचित न्यायपूर्ण व्यवहार और यथोचित श्रद्धा अधिक जरूरी है।



-डॉ. विनोद पाल
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, यूपी कॉलेज, वाराणसी (लेखक स्वतंत्र सामाजिक-राजनीतिक विश्लेषक एवं टिप्पणीकार हैं।)
मो. 7985589494

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन–पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ

भेड़-बकरी चराने वाला बिरदेव बना आईपीएस

हैदराबाद। यह कहानी है महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के कागल तालुका के यम्मा गाँव के रहने वाले बिरदेव सिद्धप्पा की। इनके माता-पिता गंगव्वा और सिद्धप्पा जीवनभर भेड़-बकरी चराने का कार्य करते थे। परिवार के पास मात्र पाँच एकड़ बंजर भूमि थी। अत्यंत निर्धनता के कारण बिरदेव का बचपन भेड़ों के साथ पहाड़ों में बीता। इसी कारण गाँव वाले इन्हें 'गड़रियों का रखवाला साहब' कहकर पुकारते थे। इनका प्रेरणादायी संदेश जोकि इन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा था-'जीवन में कभी विमान को निकट से देखा है? मैं तो विमान की बात क्या करूँ, बस में बैठना भी मेरे लिए कठिन था। आज मेरे साथ मेरे माता-पिता पहली बार विमान में बैठे हैं। आकाश में उड़ने के लिए हमें पंखों की आवश्यकता नहीं, आत्मविश्वास, धैर्य और सही लक्ष्य की आवश्यकता है। यदि ये हमारे भीतर



हैं, तो हमें अपनी जड़ों को कभी नहीं भूलना चाहिए।'

संघर्ष से सफलता तक की यात्रा

प्रारंभिक शिक्षा गाँव के सरकारी विद्यालय में हुई। निर्धनता के कारण इन्होंने छात्रावास में रहकर अध्ययन किया और कोल्हापुर में डाकिया का कार्य भी किया। इन्होंने इंजीनियरिंग की शिक्षा पूर्ण की और उसके पश्चात संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी आरंभ की। प्रथम प्रयास में असफल रहे। द्वितीय प्रयास में मात्र 30 अंकों से चूक गए। दिल्ली में रहकर मजदूरी तक करनी पड़ी। कई बार निराश होकर पुनः माता के साथ पशु चराने चले जाते थे। वर्ष 2023 में इन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में 551वाँ स्थान प्राप्त किया। वर्ष 2024 में इनका चयन भारतीय पुलिस सेवा के लिए हुआ। वर्तमान में ये हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

सबसे भावुक क्षण

प्रशिक्षण के पश्चात जब इन्हें प्रथम वेतन प्राप्त हुआ, तो इन्होंने अपने माता-पिता को जीवन में पहली बार हवाई जहाज में बैठाकर यात्रा करवाई। वही चित्र आज पूरे देश में प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। यह सत्य है कि लक्ष्य दृढ़ हो तो भेड़ चराने वाला भी देश का आईपीएस अधिकारी बन सकता है।

-रवि कुमार बघेल

कमलेश कुमार पाल का पर्पल एम्बेसडर के रूप में चयन



नई दिल्ली। हीमोफीलिया से प्रभावित समाजसेवी एवं केयर रेयर इंडिया के सीईओ कमलेश कुमार पाल का पर्पल फेस्ट दिल्ली 2026 के लिए पर्पल एम्बेसडर के रूप में चयन किया गया है। यह चयन दिव्यांगजनों, दुर्लभ बीमारियों से प्रभावित व्यक्तियों तथा रक्तस्राव संबंधी विकारों से जूझ रहे समुदायों के अधिकारों, सम्मान, समान अवसरों और सामाजिक समावेशन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। पर्पल फेस्ट दिल्ली 2026 का आयोजन नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (एनएबी, दिल्ली) द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी), भारत सरकार तथा संबंधित दिव्यांगजन आयुक्त कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। यह महोत्सव विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं से जुड़े व्यक्तियों, उनके परिवारों, सामाजिक संगठनों, समर्थकों और समाज के अन्य वर्गों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। हरिकमल दर्पण परिवार की ओर से कमलेश कुमार पाल को बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

-सम्पादक

60 छात्रों की वैकल्पिक प्रतियोगी परीक्षा-2026 सम्पन्न

दिल्ली। स्वाभिमान शिक्षा संस्कृति समाजोत्थान न्यास (एसएसएसएस) द्वारा समाज के करीब 60 छात्रों की वैकल्पिक प्रतियोगी परीक्षा-2026 कनॉट प्लेस में सम्पन्न हुई। कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों ने अपने ज्ञान के अनुभव से परीक्षा संपूर्ण की। न्यास टीम द्वारा मौके पर ही अनुभवी अध्यापकों द्वारा कापियां जांच कर प्रत्येक ग्रुप के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को पारितोषिक, प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। बीस से अधिक सहयोग कर रहे अध्यापकों, एग्जामिनरों व अन्य कार्यकर्ताओं को भी मोमेंटोज देकर उत्साहवर्धित किया गया। प्रमुख समाजसेवी सत्यपाल पाल ने सभी छात्रों को मोटीवेट किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्रों व उनके अविभावकों तथा न्यास के सभी साथियों ने इस तरह के सामाजिक कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की और न्यास के पदाधिकारियों से ऐसे ही प्रोग्राम भविष्य में भी कराने की अपील की। कार्यक्रम संस्थापक अध्यक्ष अशोक कुमार पाल ने घोषणा की कि हम ऐसे



प्रोग्राम साल में दो बार अवश्य करेंगे। उन्होंने कमजोर छात्रों को फ्री कोचिंग कराने का भी भरोसा दिलाया। इस वैकल्पिक प्रतियोगी परीक्षा 2026 कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के गाजियाबाद, सोनीपत, नोएडा, लोनी, बदरपुर इत्यादि क्षेत्रों से छात्र उपस्थित हुए। टीम के मुख्य सदस्यों में संरक्षक भागमल पाली, महामंत्री मनोज कुमार, कोआर्डिनेटर विरेंद्र कुमार पाल, सदस्यगण तेजपाल सिंह पाल, श्रीमती पूनम पाल, परमवीर, क्षमाशील पाली, प्रकाश पाल, गौरव बघेल, लक्ष्मण सिंह, घनश्याम शर्मा, योगेश दिनकर, चंद्रपाल नीखर, नंदलाल वर्मा, विक्की, धरमवीर सिंह पाल आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

-भागमल पाली

एलआईसी द्वारा श्याम शंकर पाल सम्मानित

गुरुग्राम। भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा दिल्ली में सीटीसी में ट्रेनिंग दी गई जिसमें सेंसेक्स और निफ्टी के बारे में समझाया गया कि पब्लिक का पैसा म्यूचुअल फंड में कैसे लगवाया जाता है। क्लाइंट की पेमेंट डूबे नहीं, सही जगह इन्वेस्टमेंट करवाएं, ट्रेनर अनिल पालीवाल, संजय और मैनेजमेंट चीफ जितेन्दर ने ज्ञानवर्धक जानकारी दी। नवीन ने अपना प्रचार मीडिया के माध्यम से कैसे करें उसके बारे में विस्तृत



जानकारी दी। अंत में डाटा कम्युनिकेशन की तरफ से श्याम शंकर पाल उर्फ सचिन को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। हरिकमल दर्पण परिवार की ओर से उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

-सम्पादक

श्याम शंकर पाल के पिता नहीं रहे

गुरुग्राम। हरिकमल दर्पण के हरियाणा प्रभारी व पाल एकता मंच के राष्ट्रीय सचिव श्याम शंकर पाल उर्फ सचिन के पिता रामसुख पाल का 95 वर्ष की आयु में 24 अक्टूबर को निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनकी रस्म तेरहवीं 4 नवंबर को होगी। स्वर्गीय रामसुख पाल अपने पीछे पुत्र श्याम शंकर पाल, डॉ. अमर पाल, डॉ. संदीप पाल, डॉ. स्वामीनाथ पाल, बहुओं, पोते-पोतियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। इस दुःखद घड़ी में हरिकमल दर्पण परिवार शोक संतृप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करता है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे तथा परिवार के सभी सदस्यों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।



-सम्पादक

प्रेमवती पाल भारतीय व्यापार मंडल की जिलाध्यक्ष बनीं

दिल्ली। कड़कड़डूमा निवासी सुप्रसिद्ध समाजसेविका श्रीमती प्रेमवती पाल को भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकुर सिंघल ने ईस्ट दिल्ली का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। हरिकमल दर्पण परिवार की ओर से उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।



-सम्पादक

मुजफ्फरनगर में गरजे बाबूराम पाल



मुजफ्फरनगर। यहां जी.आई.सी. मैदान में 28 अक्टूबर को आयोजित महा आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में लोग मैदान में पहुँचे। कार्यक्रम में राष्ट्र उदय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूराम पाल ने मंच से उपस्थित जनता को संबोधित किया। महा आंदोलन में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान मैदान में लोगों की भारी उपस्थिति देखने को मिली। **-ब्यूरो**

महाराजा यशवंत राव होल्कर के 215वें स्मृति दिवस पर भव्य कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर। भानपुरा में महाराजा यशवंत राव होल्कर के 215वें स्मृति दिवस पर 28 अक्टूबर को शौर्य यात्रा पुरस्कार वितरण और महाप्रसाद के साथ समारोह संम्पन्न हुआ जिसके मुख्य संयोजक रामभाऊ लांडे जालना थे जो 12 साल से इस कार्यक्रम को निरंतर करते आ रहे हैं। मुख्य अतिथि जे.डी. पाल दिल्ली व नारायण कोल्हे जालना थे। इतिहासकार राम धनगर नीमच, शंकर पारकर, राजाराम धनगर मंदसौर, श्रवण कुमार पाल नासिक, इतिहासकार घनश्याम होलकर भरतपुर, हरगोविन्द बघेल मथुरा आदि ने अपनी उपस्थिति में कार्यक्रम को नई रूपरेखा से सुचारु रूप से चलाने में सहयोग किया। सुबह 8:30 बजे महाराजा यशवंतराव होलकर की स्मृति में रुद्राभिषेक किया गया। इसके बाद दोपहर 1:30 से 2:00 बजे तक बस स्टैंड से छत्री मार्ग पर एक आकर्षक शौर्य यात्रा का आयोजन किया गया। दोपहर 2:15 बजे होलकर सरकार बांडे निशान सलामी, गढ़ पूजन और सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद दोपहर बाद 2:30 से 4:00 बजे के बीच 'महाराजा यशवंतराव होलकर शौर्य पुरस्कार' और 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर गौरव पुरस्कार' प्रदान करने का समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों का सत्कार और अध्यक्षीय समापन हुआ। इस समारोह के पश्चात दोपहर 4:00 से 5:30 बजे के बीच महाप्रसाद का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसका लाभ बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने उठाया। शाम 6:00 बजे दीपोत्सव के साथ इस संपूर्ण कार्यक्रम का समापन हुआ। महाराजा यशवंतराव होलकर शौर्य तीर्थ भानपुरा से महाराजा यशवंतराव होलकर की 250वीं जन्मशताब्दी वर्ष जयंती भानपुरा स्थित छत्री के जीर्णोद्धार तथा वार्षिक पुण्यतिथि के संबंध में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ के माध्यम से एक आधिकारिक ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम के दौरान उल्लेखनीय कार्यों के लिए रविंद्र सासमकर, राजेंद्र गाडेकर, राजेंद्र लालगे, नारायण कोल्हे, जे.डी. पाल, शंकर पारेकर, मुरहरी कुंभारगावे को सम्मान पत्र और स्मृति





चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। महाराजा यशवंतराव होलकर स्मृति समारोह समिति भानपुरा की ओर से इस संपूर्ण कार्यक्रम में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित रहकर बहुमूल्य सहयोग देने के लिए पूर्व विधायक धाकड़, सुरेशभाऊ कांबले, प्रद्युम्न भट सर, सुभाष मैंदाड, श्रावण कुमार पाल, शिवाजी चूरमारे, विकास मेड, सुभाष मैदल, डॉ. राजेंद्र गडेरकर, डॉ. संतोष जयभाये, गणेश दोरझाके, शंकर पारेकर, रविंदर सासमकर, प्रधानाध्यापक पालबागडे सर, गणेश डोलझाके, भोजाजी बनसोडे, मनीषा कमलेश गिरगुणे, दीपक वालेकर, रामप्रसाद धनगर, अनिल नाहर, हरिकृष्ण मरमठ, लालचंद्र रुद्रावाल, विष्णु प्रसाद चौधरी, जोरावरसिंह चौधरी, राजाराम धनगर, रेवाशंकर बागोरे, मधुकर बुधे, मनोज फणसे, हरीश जोरे, कमलेश गिरगुणे, दिलीप रेनगडे, ज्ञानेश्वर बोंबले, रामराव कावले, योगेश खरात, मुरली काले, संभाजी मुंजाल, आत्माराम वाणुले, प्रो. मुरारी कुभारगावे आदि सहित भानपुरा के कार्यक्रम को उचित प्रचार-प्रसार देने वाले सभी पत्रकार बंधुओं का विशेष धन्यवाद किया गया। उक्त जानकारी जे.डी. पाल (दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष-स्वाभिमान शिक्षा संस्कृति ट्रस्ट रजि. दिल्ली, कोषाध्यक्ष-माता राम बेटी आश्रम दिल्ली व संस्थापक-देवी अहिल्याबाई सामूहिक विवाह सेवा ट्रस्ट पंजी. दिल्ली) ने दी।

-ब्यूरो

डॉ. तृप्ति पाल ने बी.ए.एम.एस. की डिग्री हासिल की

इंदौर। राजेश कुमार पाल (बीमा वाला/सामाजिक चिंतक) की सुपुत्री डॉ. तृप्ति पाल ने बी.ए.एम.एस. (आयुर्वेदाचार्य) की डिग्री सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है। अपनी इस चिकित्सा शिक्षा की यात्रा के अगले चरण में उन्हें मंदसौर इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद एजुकेशन एण्ड रिसर्च के माध्यम से जिला चिकित्सालय मंदसौर (म.प्र.) में 6 माह के अनिवार्य एलोपैथी एवं चिकित्सा प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) हेतु



आधिकारिक नियुक्ति प्राप्त हुई है। हरिकमल दर्पण परिवार की ओर से उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

-सम्पादक

सर्व गडरिया समाज महासंघ की बैठक 15 नवंबर को

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सर्व गडरिया समाज महासंघ की बैठक सामाजिक भवन ढेंगर समाज संजय नगर टिकरापारा रायपुर में 11 नवंबर को दोपहर 12 बजे से अजय हंसा प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न होगी। बैठक में सर्व गडरिया समाज के समस्त फिरका के प्रदेश अध्यक्ष, देसहा गडरिया समाज बिलासपुर संभाग, देशहा गडरिया समाज रायपुर



संभाग के पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधु आमंत्रित किए गए हैं। बैठक में समाज विकास से संबंधित विभिन्न चर्चाओं के साथ ही दीपावली मिलन भी होगा। कार्यक्रम की तैयारी में पूर्णेन्दु पाल महासचिव, डॉक्टर तेजराम पाल, मिलन पाल, अभिमन्यु धनगर, आशीष धनगर, मनोज धनगर, निरंजन धनकर तथा क्षेत्र के पदाधिकारी जुटे हुए हैं।

-नारायण प्रसाद पाली

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन–पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ

संघर्ष से नेतृत्व तक : बरखा राम की प्रेरणादायक जीवनगाथा!

भेड़ें चराने वाले एक संघर्षशील बालक से विमुक्त जातियों के संवैधानिक अधिकारों की आवाज बनने तक का सफर

बरखा राम जो चेयरमैन विमुक्त जाति वेलफेयर बोर्ड पंजाब सरकार, कोऑर्डिनेटर गड़रिया समाज भलाई संगठन व राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय भेड़ पालक संघ हैं, उनका जीवन परिचय समाज के सभी लोगों के लिए प्रेरणादायक है जिसे यहां प्रस्तुत किया जा रहा है।

1. परिचय : अभावों की धरती से अधिकारों के संघर्ष तक

किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व उसकी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों से लड़कर हासिल किए गए उसके अनुभवों, विचारों और संकल्पों से निर्मित होता है। बरखा राम का जीवन इसी सत्य का सशक्त उदाहरण है। उनका जीवन केवल व्यक्तिगत संघर्ष, शिक्षा और सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि उस समाज की पीड़ा, स्वाभिमान और अधिकारों के लिए निरंतर जारी संघर्ष की गाथा भी है, जो सदियों से सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन का सामना करता आया है। पंजाब के जिला एस.ए.एस. नगर (मोहाली) की तहसील डेराबस्सी के गांव जड़ौत में गड़रिया भेड़ पालक समुदाय के एक साधारण परिवार में जन्मे बरखा राम ने बचपन से ही गरीबी, कठिन परिश्रम, सामाजिक उपेक्षा और घुमंतू जीवन की चुनौतियों को बहुत निकट से देखा। जिन परिस्थितियों में सामान्य व्यक्ति अपने सपनों को सीमित कर लेता है, उन्हीं परिस्थितियों ने उनके भीतर शिक्षा, आत्मसम्मान और सामाजिक परिवर्तन की ऐसी भावना पैदा की, जिसने आगे चलकर उनके जीवन की दिशा निर्धारित की। आज उनकी पहचान केवल एक पूर्व रेल कर्मचारी अथवा पंजाब सरकार के एक बोर्ड के चेयरमैन के रूप में नहीं, बल्कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों के अधिकारों के लिए संघर्षरत एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी है।

2. परिवार और बचपन : संघर्षों में पला एक संकल्प

बरखा राम के पिता पाला राम जिन्हें सतपाल सिंह के नाम से भी जाना जाता है और माता श्रीमती सोना देवी ने अत्यंत साधारण परिस्थितियों में अपने परिवार का पालन-पोषण किया। उनके दादा स्वर्गीय साधु राम भेड़पालन के साथ-साथ कृषि कार्य भी करते थे। परिवार की आजीविका मुख्यतः मेहनत-मजदूरी, पशुपालन और खेती पर निर्भर थी। परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि उनके दादा-दादी और माता-पिता स्वयं औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके। इसके बावजूद उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझा और अपने पांचों बच्चों–तीन बेटियों और दो बेटों को विद्यालय भेजने का निर्णय लिया। यह उस दौर के एक साधारण ग्रामीण परिवार की दूरदर्शिता और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के प्रति समर्पण का परिचायक था। बरखा राम की एक बड़ी बहन, दो छोटी बहनें और एक छोटा भाई है। सीमित साधनों के बीच पले-बढ़े इस परिवार में शिक्षा प्राप्त करना आसान नहीं था, लेकिन परिवार की मेहनत और बच्चों की लगन ने आगे बढ़ने का रास्ता बनाया।

3. भेड़ों के साथ बीता बचपन : जिसने जीवन का उद्देश्य निर्धारित किया

बरखा राम ने दसवीं कक्षा गांव के विद्यालय से और बारहवीं कक्षा डेराबस्सी के सरकारी कॉलेज से उत्तीर्ण की। उनकी पढ़ाई के दिनों में घर में बिजली तक की नियमित व्यवस्था नहीं थी। वे दीपक की रोशनी में पढ़ाई करते थे। विद्यालय से लौटने के बाद उन्हें अपने दादा के साथ भेड़ें चराने के लिए जाना पड़ता था। दिन का बड़ा हिस्सा पशुओं के साथ खेतों, खलिहानों और गांव के आसपास बीतता था। इस दौरान उन्हें सामाजिक भेदभाव, अपमानजनक टिप्पणियों, गालियों और कभी-कभी मारपीट जैसी परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ता था। उनके बचपन की सबसे पीड़ादायक स्मृतियों में से एक वह समय था, जब उन्हें सुबह लगभग चार बजे उठकर भेड़ों को चराने ले जाना पड़ता था। सामाजिक और आर्थिक विवशताओं के बीच पशुओं के लिए भोजन जुटाने की जिम्मेदारी ने उन्हें ऐसी परिस्थितियों से परिचित कराया, जिनकी कल्पना करना भी कठिन है। उन दिनों की एक घटना ने उनके मन पर गहरी छाप छोड़ी। उन्हें महसूस हुआ कि जिस समाज के बच्चों को सम्मान और समान अवसर मिलने चाहिए, उसी समाज के बच्चे अभाव और सामाजिक उपेक्षा के कारण अपमानजनक परिस्थितियों में जीवन बिताने को विवश हैं। उनके मन में बार-बार प्रश्न उठता था कि आखिर गड़रिया समाज की जिंदगी ऐसी क्यों है? पशुपालन करने वाले मेहनतकश परिवारों को सामाजिक सम्मान, शिक्षा और बेहतर जीवन के अवसर क्यों नहीं मिलते? यही प्रश्न आगे चलकर उनके सामाजिक संघर्ष की आधारशिला बने। पशुओं को चराते समय भी वे अपनी पुस्तकें साथ रखते थे। जहां अन्य बच्चों को पढ़ाई के लिए एक निश्चित समय और स्थान मिलता था, वहीं बरखा राम ने अपने सीमित अवसरों के बीच ही अध्ययन करने की आदत विकसित की। उनका बचपन कठिन था, लेकिन इसी कठिनाई ने उन्हें समाज की वास्तविक समस्याओं को समझने की दृष्टि प्रदान की।

4. शिक्षा और आत्मनिर्भरता : कठिन रास्तों पर निरंतर आगे बढ़ना

बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना उनकी प्राथमिकता बन गई। इसी कारण उन्होंने नियमित कॉलेज की आगे की पढ़ाई रोककर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग ट्रेड में प्रवेश लिया। इसके साथ-साथ उन्होंने पत्राचार माध्यम से बी.ए. की पढ़ाई भी जारी रखी। आईटीआई का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्होंने अल्फा ड्रग कंपनी में एक वर्ष की अप्रेंटिसशिप की। इसके बाद अंबाला छावनी स्थित वायुसेना परिसर में एयर कंडीशनिंग प्लांट से संबंधित कार्य में ठेकेदार के माध्यम से एक वर्ष तक निजी नौकरी की। इन अनुभवों ने उन्हें तकनीकी ज्ञान, अनुशासन, कार्यकुशलता और आत्मनिर्भरता का महत्व सिखाया। उन्होंने अपनी परिस्थितियों को अपनी प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया और आगे बढ़ने के नए रास्ते तलाशते रहे। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की। बैंकिंग, रेलवे, कर्मचारी चयन आयोग और संघ लोक सेवा आयोग सहित अनेक परीक्षाओं में भाग लेने का निर्णय लिया। विद्यालय और कॉलेज के दिनों में पढ़ाई की तुलना में भेड़पालन में अधिक समय व्यतीत होने के कारण उन्हें अपनी शैक्षणिक बुनियाद मजबूत करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने



स्वयं को अध्ययन के प्रति समर्पित किया और प्रतियोगी परीक्षाओं की पत्रिकाओं, विशेषकर 'प्रतियोगिता किरण', के माध्यम से नियमित अभ्यास किया। लगातार मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम यह हुआ कि वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने लगे। अंततः वर्ष 2000 में रेलवे भर्ती बोर्ड, चंडीगढ़ के माध्यम से सहायक लोको पायलट की परीक्षा उत्तीर्ण कर उन्होंने भारतीय रेलवे के अंबाला मंडल में नौकरी प्राप्त की। यह उपलब्धि केवल एक सरकारी नौकरी प्राप्त करना नहीं थी। यह उस युवा की सफलता थी, जिसने दीपक की रोशनी में पढ़ते हुए, भेड़ें चराते हुए और अभावों से जूझते हुए अपने लिए एक नया भविष्य बनाया था। रेलवे की नौकरी में आने के बाद भी उन्होंने अपने परिवार की जिम्मेदारियों को नहीं भुलाया और अपने छोटे भाई की शिक्षा तथा परिवार की उन्नति के लिए निरंतर प्रयास करते रहे।

5. पारिवारिक जीवन : शिक्षा और प्रगति में जीवनसाथी का योगदान

वर्ष 2001 में बरखा राम का विवाह हरियाणा के जिला करनाल के गांव खेड़ा निवासी पूना राम की सुपुत्री श्रीमती रमा से हुआ। विवाह के समय श्रीमती रमा बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण कर कॉलेज में प्रवेश ले चुकी थीं। विवाह के बाद पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखने का निर्णय लिया। पत्राचार माध्यम से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की बी.एड. प्रवेश परीक्षा में भाग लिया। प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्थान प्राप्त करने के बाद उन्होंने चंडीगढ़ के सरकारी कॉलेज से बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की। इसी दौरान बरखा राम की छोटी बहन ने भी लालडू के एक निजी कॉलेज से बी.एड. की पढ़ाई पूरी की। इस प्रकार सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवार में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई। वर्ष 2008 में श्रीमती रमा ने कर्मचारी चयन आयोग की स्नातक स्तर की प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण की और केंद्र सरकार के जनगणना विभाग में नौकरी प्राप्त की। आगे चलकर उन्होंने सांख्यिकी अन्वेषक ग्रेड-1 के रूप में राजपत्रित अधिकारी का दायित्व संभाला। परिवार की यह शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रगति इस बात का प्रमाण है कि कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा को प्राथमिकता देने वाला परिवार अपनी अगली पीढ़ी के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। बरखा राम के जीवन में परिवार का सहयोग महत्वपूर्ण रहा। व्यक्तिगत उन्नति के साथ-साथ परिवार को शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पक्ष रहा है।

6. व्यक्तिगत सफलता से सामाजिक जिम्मेदारी तक

रेलवे की नौकरी ने बरखा राम को आर्थिक स्थिरता प्रदान की, लेकिन बचपन में देखी गई सामाजिक विषमता उनके मन से कभी दूर नहीं हुई। भेड़पालन के दौरान झेला गया अपमान, घुमंतू जीवन की कठिनाइयां और अपने समुदाय के बच्चों के सामने मौजूद सीमित अवसर उन्हें लगातार सोचने के लिए प्रेरित करते रहे। उनके मन में यह विश्वास मजबूत होता गया कि गड़रिया समुदाय की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक अनुभवों, पारंपरिक आजीविका और प्रशासनिक अभिलेखों का अध्ययन आवश्यक है। इसी खोज के दौरान उन्हें पंजाब सरकार द्वारा जारी विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों से संबंधित सूची और अधिसूचना की जानकारी मिली, जिसमें गड़रिया जाति का नाम दर्ज था। यह जानकारी उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुई। उन्हें महसूस हुआ कि उनके समुदाय की समस्याएं केवल गरीबी अथवा व्यक्तिगत कठिनाइयों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे ऐतिहासिक परिस्थितियों, सामाजिक उपेक्षा और नीतिगत पहचान से जुड़े प्रश्न भी हैं। यहीं से उनके संघर्ष ने व्यक्तिगत जीवन की सीमाओं को पार कर सामाजिक अधिकारों की दिशा में कदम बढ़ाया।

7. रेणके आयोग के साथ संवाद : समुदाय की वास्तविक स्थिति को सामने लाने का प्रयास

वर्ष 2005 में केंद्र सरकार ने विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों की स्थिति का अध्ययन करने के लिए बालकृष्ण रेणके की अध्यक्षता में एक आयोग गठित किया। बरखा राम ने इस आयोग की गतिविधियों में सक्रिय रुचि ली। वे दिल्ली जाकर आयोग की बैठकों में शामिल हुए और पत्राचार के माध्यम से अपने समुदाय की समस्याओं तथा आवश्यकताओं को सामने रखने का प्रयास किया। जब आयोग पंजाब पहुंचा, तब उन्होंने गड़रिया समुदाय के लोगों के साथ मिलकर आयोग के प्रतिनिधियों को भेड़पालक परिवारों की वास्तविक जीवन-स्थितियों से परिचित कराया। उन्होंने यह बताने का प्रयास किया कि किस प्रकार पशुपालन, मौसमी आवाजाही, आजीविका की अनिश्चितता और सामाजिक उपेक्षा इन परिवारों के जीवन को प्रभावित करती हैं। वर्ष 2008 में आयोग ने केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों की समस्याओं के समाधान के लिए अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण सहित विभिन्न उपायों की सिफारिशें की गई थीं। हालांकि इन सिफारिशों का व्यापक स्तर पर अपेक्षित क्रियान्वयन नहीं हो पाया, लेकिन इस प्रक्रिया ने बरखा राम के संकल्प को और मजबूत किया। उन्होंने महसूस किया कि समुदाय की समस्याओं को दर्ज कराना पहला कदम है, जबकि उन्हें प्रभावी नीतियों और अधिकारों में परिवर्तित करवाने के लिए निरंतर संघर्ष आवश्यक है।

8. इदाते आयोग के समक्ष गड़रिया समुदाय की आवाज

वर्ष 2015 में केंद्र सरकार ने विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों की स्थिति का अध्ययन करने के लिए भीकू राम इदाते की अध्यक्षता में एक अन्य आयोग का गठन किया। बरखा राम ने इस आयोग के साथ भी संवाद जारी रखा। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर जाकर गड़रिया भेड़पालक समुदाय की जीवनशैली, पारंपरिक आजीविका, घुमंतू परिस्थितियों और सामाजिक चुनौतियों को सामने रखा। उन्होंने आयोग को पत्र लिखे और समुदाय की पहचान तथा समस्याओं से संबंधित तथ्यों को दर्ज कराने का प्रयास किया। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि गड़रिया समुदाय की वास्तविक स्थिति का अध्ययन हो और उसकी समस्याओं को व्यापक राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। वर्ष 2018 में इस आयोग ने केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में विभिन्न कल्याणकारी उपायों के साथ विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों के लिए अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश भी की गई थी। इसके बाद इन समुदायों के कल्याण के लिए केंद्र स्तर पर विकास एवं कल्याण बोर्ड की स्थापना और योजनाओं की दिशा में कदम उठाए गए। वर्ष 2022 में विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए आर्थिक सशक्तीकरण योजना (एसईईडी) आरंभ की गई, जिसके लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। बरखा राम का कहना है कि पंजाब में इन योजनाओं का लाभ संबंधित समुदायों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पाया। विशेष रूप से वे इस बात पर जोर देते रहे कि योजनाओं का वास्तविक लाभ सुनिश्चित करने के लिए समुदायों की स्पष्ट पहचान, प्रमाणपत्र, प्रशासनिक समन्वय और जागरूकता आवश्यक है। उनका संघर्ष इसी अंतर को दूर करने की दिशा में निरंतर जारी रहा–नीतियों में घोषित अवसरों को जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने का संघर्ष।

9. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति : समाज के लिए जीवन समर्पित करने का निर्णय

वर्षों तक भारतीय रेलवे में सेवा देने के बाद बरखा राम ने परिवार के साथ विचार-विमर्श करके अक्टूबर 2024 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने का निर्णय किया। इस प्रकार उन्होंने अपनी नियमित नौकरी समाप्त होने से लगभग दस वर्ष पहले ही सामाजिक कार्यों के लिए अधिक समय उपलब्ध कराने का रास्ता चुना। यह निर्णय उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। अब उनके सामने केवल अपने परिवार की उन्नति का लक्ष्य नहीं था, बल्कि अपने समुदाय और अन्य विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समूहों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर काम करने का अवसर भी था। उन्होंने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समक्ष समुदायों की समस्याएं उठाने, संबंधित अधिकारियों से संवाद करने, अभिलेखों और सूचियों का अध्ययन करने तथा कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए प्रयास तेज कर दिए। उनकी प्राथमिकताओं में समुदाय की पहचान, अलग जाति प्रमाणपत्र, योजनाओं तक पहुंच, शिक्षा, सामाजिक सम्मान और शासन-प्रशासन में उचित प्रतिनिधित्व जैसे विषय प्रमुख रहे।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन–पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ

संघर्ष से नेतृत्व तक : बरखा राम की प्रेरणादायक ...

(पृष्ठ 6 का शेष)

10. गड़रिया पशुपालकों की सुरक्षा के लिए प्रयास

सामाजिक अधिकारों के संघर्ष के साथ-साथ बरखा राम ने गड़रिया भेड़पालक परिवारों की तात्कालिक समस्याओं को भी गंभीरता से उठाया। पंजाब में कुछ भेड़पालक परिवारों की भेड़ों की चोरी और लूट की घटनाओं ने समुदाय में भय और चिंता पैदा कर दी थी। पशुपालन इन परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन है। ऐसे में पशुओं की चोरी का अर्थ केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि परिवार के भविष्य और जीवनयापन पर गंभीर संकट भी है। बरखा राम ने अपनी टीम के साथ इस समस्या को संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष उठाया। मोहाली के विधायक सरदार कुलवंत सिंह के सहयोग से पुलिस प्रशासन तक मामला पहुंचाया गया और कथित पशु चोरी की घटनाओं में शामिल एक गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई हुई। इस प्रयास ने समुदाय में यह संदेश दिया कि सामाजिक नेतृत्व का अर्थ केवल बड़े मंचों पर भाषण देना नहीं, बल्कि जरूरत के समय प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासनिक प्रयास करना भी है।

11. पंजाब सरकार द्वारा विमुक्त जाति वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन की जिम्मेदारी

बरखा राम के अनुसार, विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों के अधिकारों के लिए उनके निरंतर प्रयासों और सामाजिक गतिविधियों पर पंजाब सरकार का ध्यान गया। 15 सितंबर 2025 को पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान ने उन्हें पंजाब सरकार के विमुक्त जाति वेलफेयर बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया। यह नियुक्ति उनके लिए केवल एक पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि लंबे समय से उठाए जा रहे सामाजिक प्रश्नों को संस्थागत स्तर पर आगे बढ़ाने का अवसर बनी। उन्होंने इस जिम्मेदारी को अपने समुदाय और अन्य विमुक्त जातियों के हितों से जोड़कर देखा। उनके लिए यह आवश्यक था कि विमुक्त जातियों की समस्याएं केवल ज्ञापनों, बैठकों और सार्वजनिक वक्तव्यों तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें सरकारी नीतियों, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों में उचित स्थान मिले। चेयरमैन के रूप में उन्होंने पंजाब सरकार और संबंधित विभागों के साथ पत्राचार के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। इनमें विमुक्त जातियों की अलग पहचान, जाति प्रमाणपत्र जारी करने की व्यवस्था, केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ और जाति आधारित आंकड़ों में समुदायों का समुचित प्रतिनिधित्व प्रमुख रहे।

12. विमुक्त जातियों की अलग पहचान और जनगणना में प्रतिनिधित्व की पहल

बरखा राम के सामाजिक प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पक्ष विमुक्त जातियों के लिए अलग पहचान और विश्वसनीय आंकड़ों की आवश्यकता को सामने लाना रहा है। उनका मानना है कि किसी भी समुदाय की वास्तविक सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति को समझने के लिए उसके संबंध में प्रमाणिक आंकड़े उपलब्ध होना आवश्यक है। यदि कोई समुदाय सरकारी सर्वेक्षणों और प्रशासनिक अभिलेखों में स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं होता, तो उसके लिए लक्षित योजनाएं तैयार करना और उनका लाभ सुनिश्चित करना कठिन हो सकता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने पंजाब सरकार के समक्ष यह मांग उठाई कि राज्य में प्रस्तावित जाति आधारित सर्वेक्षण में विमुक्त जातियों की अलग पहचान के लिए उपयुक्त कॉलम शामिल किया जाए। उनके अनुसार, वर्ष 2026 में पंजाब सरकार द्वारा ड्रग संबंधी सर्वेक्षण और आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से जाति आधारित आंकड़े एकत्र करने की प्रस्तावित प्रक्रिया में विमुक्त जातियों के लिए अलग कॉलम शामिल कराने हेतु उन्होंने आम आदमी पार्टी के संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व और मुख्यमंत्री के समक्ष लगातार आग्रह किया। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप, उनके दावे के अनुसार, राज्य की प्रस्तावित प्रक्रिया में विमुक्त जातियों के लिए अलग कॉलम शामिल करने का निर्णय लिया गया। यदि इस व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन होता है, तो इससे विमुक्त जातियों की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन करने, उनकी आवश्यकताओं की पहचान करने और भविष्य की कल्याणकारी नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिल सकती है। बरखा राम इस विषय को केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि विमुक्त समुदायों की नीतिगत पहचान और भविष्य की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम मानते हैं।

13. 31 अगस्त 2026 : विमुक्त जाति दिवस के माध्यम से अधिकारों की आवाज

31 अगस्त 2026 को बरखा राम ने डेराबस्सी के निकट ग्लास पैलेस में विमुक्त जाति दिवस के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन का उद्देश्य विमुक्त जातियों के ऐतिहासिक अनुभवों, संघर्षों और वर्तमान समस्याओं को सामने लाना तथा समाज में शिक्षा, जागरूकता और अधिकारों के प्रति चेतना को बढ़ावा देना था। विमुक्त समुदायों का इतिहास औपनिवेशिक शासन के दौरान लगाए गए दमनकारी कानूनों और स्वतंत्रता के बाद उनके पुनर्वास तथा सामाजिक पुनर्स्थापन की चुनौतियों से जुड़ा है। इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को याद करना केवल अतीत को दोहराना नहीं, बल्कि वर्तमान में इन समुदायों के सामने मौजूद असमानताओं को समझना भी है। इस अवसर पर बरखा राम ने पत्रों और प्रेस के माध्यम से पंजाब के मुख्यमंत्री के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखीं।

पहली मांग : विमुक्त जातियों के लिए अलग जाति प्रमाणपत्र–उन्होंने आग्रह किया कि पंजाब में संबंधित विमुक्त जातियों के पात्र सदस्यों को स्पष्ट पहचान देने के लिए अलग प्रमाणपत्र जारी करने की व्यवस्था की जाए, ताकि वे अपने लिए निर्धारित योजनाओं और सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

दूसरी मांग : गड़रिया समुदाय के लिए भवन–उन्होंने चंडीगढ़ अथवा मोहाली में गड़रिया समुदाय के लिए एक भवन उपलब्ध कराने की मांग रखी, जिससे समुदाय को सामाजिक, शैक्षणिक, संगठनात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक स्थायी केंद्र मिल सके।

तीसरी मांग : भेड़-बकरियों के लिए बीमा और मुआवजा–उन्होंने भेड़ एवं बकरी पालन पर निर्भर परिवारों के लिए पशु बीमा तथा पशुओं की मृत्यु, प्राकृतिक आपदा या अन्य पात्र परिस्थितियों में मुआवजे की प्रभावी व्यवस्था की मांग की।

ये मांगें केवल किसी एक समुदाय की सुविधाओं तक सीमित नहीं हैं। इनके पीछे आजीविका की सुरक्षा, सामाजिक पहचान, सामुदायिक संगठन और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने की व्यापक भावना है।

14. पंजाब से राष्ट्रीय स्तर तक : विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों की साझा आवाज

बरखा राम का कार्यक्षेत्र केवल पंजाब तक सीमित नहीं रहा है। वे गड़रिया, धनगर और अन्य विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों के प्रश्नों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका दृष्टिकोण है कि विभिन्न राज्यों में रहने वाले इन समुदायों की सामाजिक और प्रशासनिक परिस्थितियों में अंतर हो सकता है, लेकिन शिक्षा, आजीविका, पहचान, कल्याणकारी योजनाओं और उचित प्रतिनिधित्व की चुनौतियां कई स्थानों पर समान दिखाई देती हैं। सितंबर 2026 में आंध्र प्रदेश के तिरुपति में आयोजित विमुक्त-घुमंतू पशुपालक समुदायों की विचार-गोष्ठी में उन्होंने भाग लिया। इस बैठक में धनगर, गड़रिया, कुरुबा और अन्य पशुपालक समुदायों से जुड़े प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श किया। इस संवाद के दौरान, उनके अनुसार, विभिन्न प्रतिनिधियों ने उनके सामाजिक प्रयासों का समर्थन किया और उन्हें राष्ट्रीय भेड़ पालक संघ का अध्यक्ष बनाने पर सहमति व्यक्त की। यह पहल पशुपालक समुदायों के बीच संवाद और संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। इसके माध्यम से विभिन्न राज्यों के समुदाय अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक आवाज विकसित कर सकते हैं।

15. कश्मीर यात्रा : बकरवाल समुदाय की समस्याओं को समझने का प्रयास

बरखा राम ने अपने परिवार के साथ जम्मू-कश्मीर की यात्रा के दौरान वहां के घुमंतू पशुपालक बकरवाल समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की। गुलमर्ग क्षेत्र में उन्होंने बकरवाल पशुपालकों के जीवन, भेड़-बकरी पालन, मौसमी प्रवास, पशुओं की देखभाल, ऊन के बाजार, पशुओं की खरीद-बिक्री और आजीविका से जुड़ी कठिनाइयों को समझने का प्रयास किया। इस संवाद का उद्देश्य केवल एक समुदाय से मिलना नहीं था, बल्कि यह जानना भी था कि घुमंतू पशुपालक परिवार अपनी पारंपरिक आजीविका को बनाए रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार, परिवहन और सरकारी सुविधाओं तक पहुंचने में किन चुनौतियों का सामना करते हैं। बरखा राम का मानना है कि नीतियां बनाते समय इन समुदायों के वास्तविक जीवन-अनुभवों को समझना आवश्यक है। स्थायी निवास पर आधारित प्रशासनिक व्यवस्थाएं कई बार उन परिवारों के लिए कठिनाई पैदा कर सकती हैं, जिनकी आजीविका मौसमी प्रवास और पशुपालन से जुड़ी होती है। कश्मीर यात्रा ने विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों की समस्याओं को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखने और उनके अनुभवों को दस्तावेज के रूप में सामने लाने के उनके प्रयासों को आगे बढ़ाया।

16. नेतृत्व की मूल भावना : पद से अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

बरखा राम के सार्वजनिक जीवन का केंद्रीय विचार यह है कि सामाजिक नेतृत्व का मूल्य पद, प्रतिष्ठा अथवा व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक उसके द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यों से निर्धारित होना चाहिए। उनका अपना जीवन इस विचार से जुड़ा हुआ है। जिस व्यक्ति ने बचपन में भेड़ें चराते समय सामाजिक उपेक्षा का सामना किया, उसी ने आगे चलकर शिक्षा प्राप्त की, प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं, रेलवे में सरकारी सेवा की और फिर समाज के अधिकारों के लिए अपना समय समर्पित करने का निर्णय लिया। उनके संघर्ष के केंद्र में कुछ प्रमुख विषय लगातार दिखाई देते हैं–

1. विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों की स्पष्ट पहचान और सम्मान।
2. पात्र परिवारों के लिए अलग जाति प्रमाणपत्र और कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच।
3. बच्चों की शिक्षा, छात्रवृत्ति और प्रतियोगी परीक्षाओं के अवसरों को बढ़ावा देना।
4. भेड़-बकरी पालकों की आजीविका की सुरक्षा तथा पशु बीमा और मुआवजे की व्यवस्था।
5. समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आकलन के लिए विश्वसनीय आंकड़ों का संकलन।
6. सरकारी नीतियों और योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में विमुक्त समुदायों की प्रभावी भागीदारी।
7. विभिन्न राज्यों के समुदायों के बीच संवाद, संगठन और साझा संघर्ष को प्रोत्साहन।

इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर संवाद, तथ्यात्मक दस्तावेजीकरण, लोकतांत्रिक भागीदारी और प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी प्रयास आवश्यक हैं। बरखा राम अपने सामाजिक कार्यों के माध्यम से इन्हीं रास्तों को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं।

17. भविष्य का संकल्प : सम्मान, अवसर और समान भागीदारी

विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों की समस्याएं लंबे ऐतिहासिक अनुभवों से जुड़ी हुई हैं। इसलिए उनके समाधान के लिए केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका, सामाजिक सुरक्षा, दस्तावेजी पहचान और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। बरखा राम की अपेक्षा है कि केंद्र और राज्य सरकारें इन समुदायों की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों और वास्तविक आवश्यकताओं का अध्ययन करके उनके लिए प्रभावी नीतियां बनाएं। साथ ही, जहां आवश्यक हो, वहां कानूनी और संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप उचित प्रतिनिधित्व और अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाए जाएं। उनका मानना है कि जब तक विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युवाओं को रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं के अवसर, पशुपालकों को सुरक्षित आजीविका तथा समाज को सम्मानजनक पहचान नहीं मिलेगी, तब तक समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। वे चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियों को वे कठिनाइयां न झेलनी पड़ें, जिनका सामना उन्होंने अपने बचपन में किया था। जिस बालक को कभी भेड़ों के साथ खेतों में घूमते हुए अपमान सहना पड़ा, वह आज ऐसे समाज की कल्पना करता है, जिसमें किसी बच्चे की पहचान उसके परिवार के पेशे या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण उसके अवसरों को सीमित न करे।

18. निष्कर्ष : एक व्यक्ति की कहानी, अनेक समुदायों की उम्मीद

बरखा राम की जीवनगाथा संघर्ष, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक प्रतिबद्धता की एक प्रेरणादायक मिसाल है। गांव जड़ौत के एक साधारण गड़रिया भेड़पालक परिवार में जन्म लेने से लेकर भारतीय रेलवे में सहायक लोको पायलट के रूप में सेवा देने, परिवार को शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने, विमुक्त जाति वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालने और राष्ट्रीय स्तर पर पशुपालक समुदायों के प्रश्न उठाने तक की उनकी यात्रा अनेक अनुभवों से होकर गुजरी है। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि कठिन परिस्थितियां किसी व्यक्ति की अंतिम पहचान नहीं होतीं। यदि शिक्षा के प्रति लगन, अन्याय के प्रति संवेदनशीलता और समाज के लिए कुछ करने का संकल्प बना रहे, तो व्यक्तिगत संघर्ष व्यापक सामाजिक उद्देश्य का आधार बन सकता है। बरखा राम की यात्रा अभी जारी है। उनके सामने विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए पहचान, अवसर, सामाजिक सुरक्षा और प्रभावी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की लंबी चुनौती है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति सरकारों, प्रशासन, सामाजिक संगठनों और समुदायों के सामूहिक प्रयासों पर निर्भर करेगी। फिर भी उनकी जीवन-यात्रा उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो अभावों के बीच अपने भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं; उन परिवारों के लिए आशा है, जो शिक्षा के माध्यम से पीढ़ियों की स्थिति बदलना चाहते हैं; और उन समुदायों के लिए एक संदेश है, जो अपने सम्मान तथा अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष कर रहे हैं। बरखा राम का जीवन इस विश्वास को अभिव्यक्त करता है कि वास्तविक सफलता केवल स्वयं आगे बढ़ने में नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए रास्ते बनाने में है, जिनकी आवाज लंबे समय तक अनसुनी रही हो। उनकी कामना है कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों के बच्चों को शिक्षा, युवाओं को रोजगार, पशुपालकों को सुरक्षित आजीविका और समाज को सम्मानजनक पहचान मिले। शासन-प्रशासन में उनकी भागीदारी बढ़े और उन्हें देश की विकास यात्रा में समान अवसर प्राप्त हों। यही उनके संघर्ष की दिशा है, यही उनके सामाजिक जीवन का उद्देश्य और यही उस भविष्य की कल्पना है, जिसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। आज इन्होंने अपने बच्चों को भी उच्च शिक्षा के प्रति अग्रसर किया है। इनकी बड़ी बेटी कनाडा से डिग्री कर रही है और छोटी बेटी चंडीगढ़ के सरकारी कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही हैं। इनका बेटा छठी कक्षा में पढ़ रहा है। संघर्ष से स्वाभिमान तक, व्यक्तिगत सफलता से सामाजिक सेवा तक- बरखा राम की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ने वाले संकल्प की कहानी है। हरिकमल दर्पण परिवार की ओर से उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

–सम्पादक

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ

ज्ञान का दीप जलाओ!

ज्ञान का दीप जलाओ ऐसा,
बाहर भीतर उजाला हो।
मन का तिमिर मिटाकर,
उज्ज्वल धवल बनाता हो।
ज्ञान का दीप जलाओ ऐसा,
बाहर भीतर उजाला हो।
दीपावली जब आती है,
घर द्वार स्वच्छ हो जाता है।
ज्ञान का दीप जलाओ ऐसा,
जो मन को शुद्ध कर जाता है।
ज्ञान का दीप जलाओ ऐसा,
बाहर भीतर उजाला हो।
रहे न कषाय-कल्मष भीतर,
जलकर सब कुछ स्वाहा हो।
ज्ञान का दीप जलाओ ऐसा,
बाहर भीतर उजाला हो।



-नारायण प्रसाद पाली
प्रांतीय प्रतिनिधि, छत्तीसगढ़
मो. 9575761235

हमारे नए आजीवन सदस्य

श्री राम यश पाल (प्रतापगढ़)



वरिष्ठ समाजसेवी श्री राम यश पाल ने हरिकमल दर्पण की आजीवन सदस्यता ग्रहण की है। इनका जन्म 1 अगस्त 1950 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद में हुआ। इन्होंने अपनी शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात स्नातक की उपाधि प्राप्त की। शिक्षा पूर्ण करने के बाद इन्होंने उद्यान विभाग, प्रयागराज में लिपिक के पद पर अपनी सरकारी सेवाएँ प्रारंभ कीं। अपने लंबे सेवाकाल में इन्होंने ईमानदारी, निष्ठा, अनुशासन एवं कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। अपनी कार्यकुशलता एवं अनुभव के आधार पर इन्होंने विभाग में प्रधान लिपिक के पद तक अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। जुलाई 2010 में ये उद्यान विभाग, प्रयागराज से प्रधान लिपिक के पद से सेवानिवृत्त हुए। इनकी पत्नी का नाम श्रीमती कुंती देवी है। इनके परिवार में चार पुत्र एवं दो पुत्रियाँ हैं। इनके बच्चों ने शिक्षा एवं विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है। इनकी दो पुत्रियां व एक पुत्र प्रयागराज में अधिवक्ता के रूप में न्यायिक क्षेत्र में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। एक पुत्र उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में कार्यरत है, एक पुत्र मोदीनगर, गाजियाबाद में सहायक आचार्य के पद पर तथा एक पुत्र इलेक्ट्रिशियन है। श्री राम यश पाल का जीवन शिक्षा, परिश्रम, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है। इन्होंने अपने सरकारी सेवाकाल में पूरी निष्ठा से कार्य किया और अपने परिवार को शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के महत्व से परिचित कराया। इनके बच्चों की शैक्षणिक एवं व्यावसायिक उपलब्धियाँ गर्व और संतोष का विषय हैं। इनका जीवन एक समर्पित कर्मचारी, जिम्मेदार नागरिक, आदर्श पति एवं परिवार के मार्गदर्शक के रूप में प्रेरणादायक है। इनका पता है-ग्राम यादवपुर, कबीर आश्रम के निकट, पोस्ट धूमनगंज, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश-211011। इनका मोबाइल नम्बर 7071436212 है।

मेरठ में हरिकमल दर्पण के सदस्य बनने, समाचार, लेख, विज्ञापन आदि देने के लिए आप हमारे संरक्षकों से भी सम्पर्क कर सकते हैं-

1. **श्री कृपाल सिंह पाल** (राष्ट्रीय सचिव, अ.भा. पाल महासभा)
142, ऋषिपुरम, रोहटा रोड, मेरठ। मो0 9997933726
2. **सूबेदार हरपाल सिंह पाल** (पूर्व महासचिव , अ.भा. पाल महासभा मेरठ)
638/50, न्यू सैनिक कॉलोनी, खिर्वा रोड, कंकरखेड़ा, मेरठ कैन्ट। मो0 9758196520
3. **श्री रमेश चन्द पाल**, पार्षद पति (संरक्षक, अ.भा. पाल महासभा मेरठ)
पाल धर्मशाला, रिठानी, मेरठ। मो0 9457033344
4. **एडवोकेट रामकरण सिंह पाल** (कानूनी सलाहकार , अ.भा. पाल महासभा मेरठ)
ग्राम-घाट, डॉ0-पाँचली खुर्द, जिला मेरठ। मो0 8630647665
5. **श्री जयपाल सिंह पाल**, (पूर्व पार्षद एवं पूर्व अध्यक्ष अ.भा. पाल महासभा मेरठ)
सुमित्रा देवी पब्लिक स्कूल, मोहकमपुर, मेरठ। मो0 9319949709
6. **श्री सत्यपाल कलंजरी** (अध्यक्ष, अ.भा. पाल महासभा मेरठ)
कार्यालय : प्लॉट नं0 11, सेक्टर-6-1, पैठ रोड, शताब्दी नगर, मेरठ।
निवास : बी-228, सेक्टर-1, शताब्दी नगर, मेरठ। मो0 9837182284
7. **श्री महेन्द्र पाल (मिर्ची)** (उपाध्यक्ष, अ.भा. पाल महासभा मेरठ)
प्रतिष्ठान: कृष्णा ट्रेडिंग कंपनी, 75, गडोदिया मार्केट फर्स्ट फ्लोर, खारी बावली, दिल्ली-6
निवास: 50/7, रामप्रस्थ ग्रीन, वैशाली, गाजियाबाद। मो. 8766371312, 8057545916
8. **श्री अमित कुमार पाल** (मेरठ महानगर अध्यक्ष, शेफर्ड इंडिया इंटरनेशनल)
दुकान : शॉप नं0 2, कला मंदिर वाली गली, पैठ एरिया, लालकुर्ती,मेरठ कैंट।
निवास : 121/14, प्रगति नगर, दयावती एकाडेमी वाली गली, मेरठ। मो0 9927880107
9. **ठेकेदार कमल पाल सिंह** (मेरठ मंडल महासचिव, शेफर्ड इंडिया इंटरनेशनल)
377, नई गोविन्दपुरी, कंकरखेड़ा, मेरठ कैन्ट । मो0 8006567896
10. **श्री दीपक पाल** (अध्यक्ष, अ.भा. युवा पाल महासभा मेरठ)
दुकान: पाल साड़ी महल, मैन मार्किट, गोलाबढ़, रोहटा रोड, मेरठ।
निवास: ग्राम खड़ौली, मेरठ। मो0 9897876137

सबक सिखाती हैं प्राकृतिक आपदाएँ!

सबक सिखाती हैं प्राकृतिक आपदाएँ!
संतुलन में सृष्टि रहे, वही सीख अपनाएँ!
सांस्कृतिक कर्तव्य डगमगाने लगा है
धार्मिक विषयों में अंतर आने लगा है
कट्टरवाद विचारों की भी हों सीमाएँ!
संतुलन में सृष्टि रहे, वही सीख अपनाएँ!!
बारिश में अब पर्वत, खूब धसकने लगे
सैलाबों के अजगर, गाँव गटकने लगे
खेती बस्ती डूबने की हों घटनाएँ!
संतुलन में सृष्टि रहे, वही सीख अपनाएँ!!
जल-भराव कर देते, ग्लेशियर पिघलकर
झीलें बन जातीं अचानक, जमीं सिमटकर
जलवायु परिवर्तन की लाएँ विपदाएँ!
संतुलन में सृष्टि रहे, वही सीख अपनाएँ!!
न काटें जंगल, न उद्योगों को छूट दें
भू जल हवा गगन अपनी शुद्धता न तज दें
प्राकृतिक संसाधनों को न चिढ़ाएँ!
संतुलन में सृष्टि रहे, वही सीख अपनाएँ!!
भू जल हवा गगन को भी संरक्षण दीजे
भू जल हवा बचाकर, स्वयं का रक्षण कीजे
हर आपदा चेतावनी है, अब चेत भी जाएँ!
संतुलन में सृष्टि रहे, वही सीख अपनाएँ!!
अगर प्रकृति को निचोड़ा जाए जम के
ऐसा ही है खून बह गया सारा तन से
पथराए दो नैनों में, अब जल छलकाएँ!
संतुलन में सृष्टि रहे, वही सीख अपनाएँ!!



-जोहन पाल, सेंदरी, बिलासपुर
मो. 7974025985

मोहित धनगर की पहल पर आयोजित हुई जनसेवा चौपाल

बहजोई/सम्भल। ग्राम पंचायत जैरोई हयातनगर में 31 अक्टूबर को युवा समाजसेवी मोहित धनगर की पहल पर ग्राम चौपाल एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी बहजोई राजीव कुमार मलिक की अध्यक्षता तथा मिशन शक्ति प्रभारी सुश्री अपर्णा बंसल व शहीद भगत सिंह चौकी प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विशेष रूप से महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, उनके अधिकारों, साइबर अपराध से बचाव तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही ग्रामीणों की जनहित से जुड़ी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा उनके समाधान एवं संबंधित विभागों से समन्वय के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। मोहित धनगर ने कहा



कि ग्राम स्तर पर इस प्रकार की चौपाल आयोजित करने का उद्देश्य ग्रामीणों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करना, महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करना तथा पात्र जरूरतमंद लोगों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को उचित मंच तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए ऐसे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को सुरक्षा, जागरूकता, अधिकारों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक होने का अवसर मिला।

-मोहित धनगर

निःशुल्क कानूनी सलाह लें!

पाल समाज के व्यक्तियों के लिए 'हरिकमल दर्पण' निःशुल्क कानूनी सलाह की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इसके लिए सम्पर्क करें-

1. **श्री राजकुमार सिंह पाल एडवोकेट,**
सी-10, पांडव नगर, मेरठ। मो0 9837474234
2. **श्री रामकरण पाल एडवोकेट**
ग्राम-घाट, डा0-पाँचली खुर्द, मेरठ। मो0 8630647665
3. **श्री महेन्द्र कुमार पाल एडवोकेट**
ए-20/3, रॉयल पार्क, पल्लवपुरम फेस 1, मेरठ। मो0 8954682770
4. **श्री मेहर सिंह पाल एडवोकेट**
721, नंगलाताशी, कंकरखेड़ा मेरठ कैंट। मो. 9259444219
5. **श्री सत्येन्द्र कुमार पाल एडवोकेट**
हाईकोर्ट सीट नं0 80, अम्बेडकर हॉल, न्यू लाईब्रेरी के नीचे, हाईकोर्ट, इलाहाबाद।
कार्यालय: 40-ए, धर्मवीर मार्ग, सुलेम सराय, इलाहाबाद। मो0 7668937169, 9451506915
6. **श्री लखमी चंद पाल एडवोकेट**
383, पर्वतीया कॉलोनी, एन.आई.टी, फरीदाबाद। मो. 9811444654
7. **एडवोकेट नीरज पाल**
फ्लैट नम्बर 1 बी, डी.आई.जेड एरिया, ब्लॉक 50, सेक्टर 2, काली बाड़ी मार्ग,
कनॉट प्लेस, दिल्ली-110001, मो.9911752988
8. **श्री सुभाष पाल एडवोकेट**
पाल सेवा समाज, एस.आर. मॉडर्न स्कूल एंड एजुकेशन, CPJ 2nd, 59 न्यू सीलमपुर, दिल्ली-110053,
मो. 9818744044, 8700153018 (WWW.PAL333.COM)
9. **श्री राजीव कुमार पाल एडवोकेट**
चैंबर नं.19, हाईकोर्ट, प्रयागराज, मो. 9368267447,8533029001
10. **एडवोकेट विवेक पाल 'टाइगर'**
टेबिल नंबर 8, ओल्ड लाइब्रेरी, उत्तरी बरामदा, हाईकोर्ट, इलाहाबाद, मो. 9559695244, 8181859252

हमारे जनपद प्रतिनिधि

1. **गाजियाबाद में**
श्री बी.के. एस. पाल
मो. 9650577367
2. **गौतमबुद्धनगर में**
श्री रमेश पाल खोदना
मो. 9899261957
3. **अलीगढ़ में**
श्री योगेश कुमार सिंह पाल
मो. 9412593896
4. **लखीमपुर खीरी में**
श्री अमित पाल धनगर
मो. 9621968244
5. **रीवा (मध्य प्रदेश) में**
श्री मोती लाल पाल
मो. 9584634770
6. **गुड़गांव (हरियाणा) में**
श्री राम नरेश पाल,
मो. 9810967600
7. **लखनऊ में**
श्री पी.के. सिंह पाल
मो. 9839423719
श्री बिंदेश्वरी प्रसाद पाल
मो. 9450503655
8. **सोनीपत (हरियाणा) में**
श्री फते सिंह पाल
मो. 8816867995
9. **भोपाल में**
श्री नर्मदा प्रसाद पाल
मो. 9993090768
10. **भागलपुर में**
श्री मनमोहन लाल पाल
मो. 8004924005
11. **जौनपुर में**
श्री नीलम विकास पाल
मो. 8957422574
12. **हरदोई में**
श्री अमित सिंह पाल
मो. 8887655467
13. **इटावा में**
श्रीमती विनीता पाल
मो. 9891741859
14. **औरैया में**
श्री मनीष पाल
मो. 9758562193
15. **ललितपुर में**
श्री इन्द्रपाल सिंह
मो. 9695037944,
9793791944
श्री रामेश्वर पाल सिमिरिया
मो. 9889577860
16. **इंदौर में**
श्री दिनेश पाल
मो. 8889363636
17. **जबलपुर में**
श्री अनिल धनगर
मो. 9165202780
18. **फरीदाबाद में**
श्री देवेन्द्र कुमार होलकर
मो. 9910813294
19. **फर्रुखाबाद में**
श्री आवेश पाल
मो. 8887698240,
9956966596
20. **मुजफ्फरनगर में**
श्री शरद पाल उर्फ अभिषेक
मो. 9690501498
21. **कन्नौज में**
श्री आदित्य कुमार धनगर
मो. 9520838816
22. **शाहजहाँपुर में**
श्री के.पी. सिंह
मो. 8840196328
23. **कौशाम्बी में**
श्री श्याम कुमार पाल
मो. 9621055595
24. **पलवल में**
श्री नरेश कुमार बघेल
मो. 8053024093
प्रोफेसर (इंजी.) भजनलाल हंस बघेल
मो. 9588523484
25. **मऊ में**
श्री हरिश्चंद पाल
मो. 9454728541
26. **फिरोजाबाद में**
श्री अनूप कुमार बघेल
मो. 9557673320
27. **बिजनौर में**
श्री ब्रजपाल धनगर पत्रकार
मो. 9927622327,
8840524330
28. **मथुरा में**
श्री संजय धनगर
मो. 9412661310
29. **अयोध्या में**
श्री अंजनी कुमार पाल
मो. 9839500920
30. **ठाणे में**
श्री अनुराग राजनरायन पाल
मो. 8898985378
31. **हापुड़ में**
श्री संजय पाल धनगर
मो. 8868894986,
9811410592
32. **छतरपुर में**
श्री रूपेन्द्र पाल
मो. 9977727589,
9926102284
33. **आगरा में**
श्री हरिओम बघेल (बग्गी)
मो. 9411258358
34. **वाराणसी में**
श्री इन्द्रदेव पाल
मो. 8574027460
35. **उज्जैन में**
श्री नरेन्द्र पाल
मो. 9074404421
36. **देवरिया में**
श्री सूरज प्रसाद पाल
मो. 9415384697
37. **उन्नाव में**
श्री जगदीश प्रसाद पाल
मो. 9794866822
9452036460
38. **मुरादाबाद में**
श्री प्रदीप कुमार सिंह पाल
मो. 9917558093,
39. **प्रतापगढ़ में**
श्री धर्मेन्द्र कुमार पाल
मो. 9919077729,
9621073200
40. **गोडा में**
श्री मुखराम पाल
मो. 9455453381,
9457341699
41. **भदोही में**
श्री रवि प्रकाश पाल
मो. 9451013781,
6394188797
42. **सीतापुर में**
श्री आदित्य प्रकाश पाल
मो. 9695207197
43. **पुणे में**
श्री रणवीर सिंह बघेल
मो. 9423245315
44. **बीकानेर में**
श्री देवेन्द्र पाल सिंह
मो. 9950564478
45. **प्रयागराज में**
डॉ. कुमार रमेश
मो. 8887957618
46. **लुधियाना में**
डॉ. साधू राम पाल
मो. 9888100609
47. **फिरोजाबाद में**
श्री पहुंची लाल धनगर
मो. 8755812543
48. **हाथरस में**
श्री लाखन सिंह बघेल
मो.9811748774
49. **चित्रकूट में**
श्री शत्रुघन प्रताप पाल
मो. 7991440776

Degree/Diploma
IAFT
Offer
FASHION DESIGN
&
Merchandising
with
Opti-Tex
INTERNATIONAL ACADEMY OF FASHION TECHNOLOGY
Pal Mansion, Jamuna Palace, Haridwar. 9760339669 www.iaftindia.com

देवी अहिल्याबाई सामूहिक विवाह सेवा ट्रस्ट (रजि.) दिल्ली
Regd. Off: 68, Saini Wali Gali Rampura, Delhi-35 www.swabhimanshiksha.in
द्वितीया वार्षिक सामूहिक कन्या विवाह-सहयोग का आह्वान
हर बेटी का विवाह कर्ज से नही सम्मान से हो ! समाज मे दहेज, फिजूल खर्ची और दिखावे की कुरीति समाप्त हो। जैसा कि आपको विदित है कि हमारे हिंदू समाज मे विवाह एक अति आवश्यक एवं महत्व पूर्ण आयोजन है। व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन मे तो विवाह एक प्रकार से सुखद जीवन का ऐसा शुभारंभ है जिसके बिना जीवन अधूरा है! हमारे समाज मे एक बहुत बड़ी जनसंख्या है जो गरीबी रेखा से भी नीचे जीवन जीने को मजबूर है। इसी वर्ग की कन्याओ के विवाह का आयोजन हमारा सामाजिक दायित्व है और इसी के निर्वहन हेतु ''देवी अहिल्याबाई सामूहिक विवाह सेवा ट्रस्ट'' अभावग्रस्त परिवारो की कन्याओ के विवाह का आयोजन प्रतिवर्ष करती है। यह आयोजन प्रतिवर्ष देव उठान ग्यास 20 नवम्बर 2026 के शुभ अवसर पर किया जाता है! इस वर्ष भी आप सभी के सहयोग से सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है सामूहिक विवाह क्यों जरूरी है:- एक विवाह मे कम से कम 5 से 6 लाख रुपए लड़की के परिवार से और इतने ही लड़के वालों के परिवार से खर्च हो जाते है जिसमें दोनों परिवार कर्ज के बोझ मे डूब जाते है! दहेज प्रथा और फिजूल खर्ची का विरोध करना है! इन विवाहो मे प्रत्येक नव विवाहित जोड़े को उपहार स्वरूप घर गरस्त चलाने के लिए जरूरी सामान दिया जाता है ! जैसे (दीवान पलंग, मेज, सिलाई मशीन, अलमारी, संदूक, (अटैची) खाने-पीने के बर्तन, प्रेशर कुकर, गैस चूल्हा, रजाई , गद्दे , कंबल, वेडशीट, साड़ियां, कपड़े, स्वेटर, पैंट शर्ट, शृंगार दानी) ,गीता और रामायण व मिठाई देकर विदा किया जाता है। पात्रता:- आर्थिक रूप से कमजोर परिवार। लड़की की उम्र 18 + और लड़के की उम्र 21 + अनिवार्य है। जरूरी दस्तावेज:- आधार कार्ड, आयु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, चार फोटो ।
आवेदन की अंतिम तिथि 5 नवंबर 2026 है।
रजिस्ट्रेशन करने व सहयोग करने के लिए निम्नलिखित कार्यकर्ताओं से संपर्क करें:-
श्री यश पाल सिंह मो. 9313191140 | श्री महेश चन्द पाल मो. 9999903344 | श्री राम प्रकाश मो. 9958362969 | श्री सुरेश पाल मो. 9354008031
श्री जे.डी. पाल मो. 9310969775 | डॉ. मनोज पाल मो. 9818532500 | श्री मंगत राम जी मो. 9212381537 | श्री ललित कुमार मो. 9811098062
एडवोकेट सुभाष पाल जी मो. 9818744044 | श्री रविन्द्र होलकर जी मो. 9953335197 | इंजी श्री प्रमोद बघेल जी मो. 9899536699 | श्री सुखपाल सिंह पाल मो. 9818299394
निवेदक :- स्वाभिमान शिक्षा संस्कृति ट्रस्ट (रजि.)
मोबाईल: 9999903344

मेरठ में 'हरिकमल दर्पण' अब यहाँ भी उपलब्ध
• पाल बुक सेंटर
रेलवे रोड चौराहा, मेरठ
• पाल जनरल स्टोर
467, प्रभात नगर, मेरठ
• अमित डेयरी एण्ड कन्फैक्शनरी
सी-46, श्रद्धापुरी फेस-2, कंकरखेड़ा, मेरठ
• सिद्धबली प्रोपर्टीज
ग्राम-गोकुलपुर, गढ़ रोड, मेरठ

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन–पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ

वैवाहिक विज्ञापन

वधू चाहिए



शशांक पाल / 19-06-1995 (दिल्ली) / 5'8'' / बी.आर्क / गाजियाबाद में अपना स्वयं का आर्कीटेक्चुअल स्टूडियो / गोत्र- पथरिया बनिया व थैलिया बनिया / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें : श्री रमेश चन्द पाल, मो. 9761982424



विश्वदीपक पाल / 19-08-1994, (वाराणसी) / 5'9'' / बी.टेक सी.एस.,/ सरकारी बैंक में मैनेजर के पद पर कार्यरत / गोत्र- द्रुवा / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें : श्री आर.ए. पाल, मो. 9569988360



ऋषभ राजपाली / 6-11-1992 (झांसी) / 5'10'' / बी.ई., बी.टेक / पुणे में नेटवर्क इंजीनियर के पद पर कार्यरत / वार्षिक आय : 10 से 15 लाख रुपये / गोत्र-कश्यप / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें : मो. 9454547117



सोनू बघेल / 15-01-1990 (अलीगढ़) / 5'4'' / बी.टेक एवं सिविल सर्विस / पीसीएस (एनटी)-2017 / गोत्र-कुलहा व रेरिया / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें : श्री हरिओम बघेल (भाई), मो. 9927099277



अमित कुमार पाल / 7-12-1990, 5:00 प्रातः (प्रयागराज) / कद-6' / रंग-साफ / बीएससी, एमसीए, बी.एड, यूपीटेट व सीटेट उत्तीर्ण / प्राइवेट इंगलिश मीडियम स्कूल में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत / गोत्र-वासु / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें - श्री सुखदेव प्रसाद पाल, मो. 8318932412, 9454673182



शैनन वर्मा / 17-12-1994, (इंदौर) / 5'8'' / बी.टेक (एसजीएसआईटीएस), एम.टेक (आईआईआईटी), कम्प्यूटर साइंस / पूर्व क्लास 1 शासकीय अधिकारी / कम्प्यूटर इंजीनियर के पद पर कार्यरत/ वार्षिक आय 36 लाख रुपये / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें : श्रीमती नीलम वर्मा, मो. 7389580815



अमन बघेल / 04-03-1999 (लखनऊ) / कद-5'4''/ एमबीए/ बहुराष्ट्रीय कम्पनी में कार्यरत/ वार्षिक आय-5 से 7 लाख रुपये / गोत्र-सपा व सतोगीया / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें: श्री एस. के. बघेल, मो. 9451839571, 7618868869



मयंक पाल / 02-11-1997 (कानपुर) / कद-6'/ एमएससी, एम. टेक / राजनंदगांव की एबीआईएस एक्सपोर्ट प्राइवेट इंडिया लिमिटेड आईबी ग्रुप में असिसटेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत/ गोत्र- डंडीमार बनिया / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें: श्री राजेश पाल, मो. 7522090514



दीप पाल / 20-04-1994 (बरेली), सायं 8: 07 बजे / कद-5'9''/ बी.टेक, एम.टेक, पीएचडी / गोत्र- भिंडवार व फुलसुंघा / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें: श्री विजय सिंह पाल, मो. 9997254784



विकास पाल/ 19-12-1993 (मुंबई)/ 5'11''/ गोत्र- कोकन/ मास्टर इन फाइनेंशियल मैनेजमेंट/मल्टीनेशनल कंपनी में बिलिंग एण्ड रिवेन्यू एनालिस्ट के पद पर कार्यरत/ सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें : श्री चंद्रभान पाल, मो. 7208217141



आकाश/3-08-1993 (08:00 प्रात:, दिल्ली)/5'3''/ गोत्र-बनिया/ बीएससी, एम.पीएड, नेट क्वालीफाइड, योग में नेशनल गोल्ड मेडल धारक/दिल्ली सरकार में स्थायी शिक्षक के पद पर कार्यरत/सुन्दर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें : श्री हंसराज, मो. 9560948229



शमित पाल/11-05-1999 (फरीदाबाद)/5'10''/बी.ई.- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/वार्षिक आय 10 लाख रुपये/गौत्र-सुराहा व हिरनवार/सुन्दर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। सम्पर्क करें: श्री बीरेन्द्र कुमार पाल, मो. 9818594194



सुमित कुमार पाल/23-12-1995 (प्रयागराज)/5'11''/बी.टेक/केन्द्र सरकार के ईपीएफओ विभाग में एन्फोर्समेंट ऑफिसर के पद पर कार्यरत/गोत्र-भऊरहा/सुन्दर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। उत्तर प्रदेश निवासी सरकारी नौकरी वाली लम्बी व सुन्दर युवती को प्राथमिकता दी जाएगी। सम्पर्क करें : श्री सुखदेव प्रसाद, मो. 9454673182, 8318932412



अंशुल कुमार पाल/07-07-1997 (मुरादनगर/गाजियाबाद)/ 5'11''/ रंग-साफ/बी.टेक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग/इफको, आंवला, बरेली में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत/आय 18 लाख वार्षिक/गौत्र-बिचौलिया व चंदिया चंदेल/सुन्दर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। सम्पर्क करें- श्री दिनेश कुमार पाल, मो. 9310806207



सौरभ पाल/14-04-2002, 09:30 प्रातः (पुणे)/ 5'6''/ बीटेक मैकेनिकल/ निजी व्यवसाय/वार्षिक कारोबार लगभग 10 करोड़ रुपये/ गोत्र-रौतेला व कछवाए/सुन्दर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। सम्पर्क करें- श्री राजवीर पाल, मो. 9822402808, 7720006862



सौरभ कुमार / 19-10-1997 (मैनपुरी) / कद-5'7''/ रंग-साफ / बीएससी / उ.प्र.रा.स. परिवहन निगम में संविदा पर कार्यरत / गोत्र- कडैल्या / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें - श्री राजेन्द्र सिंह पाल, मो. 9917639474



डॉ. कृष्ण कुमार पाल / फरवरी 1992 (अयोध्या) / 165 सेमी. / रंग- साफ / पी-एच.डी. / के.एस. साकेत पीजी कॉलेज अयोध्या में असिस्टेंट प्रोफेसर (सरकारी) के पद पर स्थाई कार्यरत / गोत्र-बेकहरिया व औझियार / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू (सरकारी शिक्षिका) चाहिए। संपर्क करें : डॉ. संतराम पाल, मो. 9415348893



सौरभ पाल / 17-08-1996, (भोपाल) / रंग-साफ / 5'8'' / गोत्र-कश्यप / बीई (मकेनिकल) / भारतीय खाद्य निगम में असिस्टेंट के पद पर कार्यरत / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु भोपाल निवासी सरकारी सेवारत वधू चाहिए। सम्पर्क करें- श्री रामबरन पाल, मो. 7697248815, 7692932576



डॉ. मोहित पाल / 23-12-1994 (दिल्ली) / कद-5'10''/ रंग-साफ/ एमबीबीएस/ वर्तमान में एमडी-बायोकैमिस्ट्री (प्रथम वर्ष) जीएमसी अकोला (महाराष्ट्र) / गोत्र-कोकन्दे / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु डॉक्टर, बैंक पीओ/मैनेजर या अन्य ग्रुप ए ऑफिसर वधू चाहिए। संपर्क करें: श्री राजेन्द्र सिंह, मो. 7982822150



संतोष पाल / 17-10-2001 (फतेहपुर) / कद-169 सेमी/ रंग-साफ/ एमबीए/ वर्तमान में एलेारा ईपीसी लिमिटेड कम्पनी में एक्जीक्यूटिव एचआर के पद पर कार्यरत/ गोत्र-भिंडवार / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें : श्री आशाराम पाल, मो. 9822313216



रवि पाल / 18-02-1989 (बदायूं) / 5'7''/ बीएससी बायोटेक्नोलॉजी, एलएलबी, एलएलएम / गोत्र-हिरनवार/ लंदन में लीगल आफिसर के पद पर कार्यरत / वार्षिक आय- 20 लाख रुपये से अधिक / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। सम्पर्क करें- श्री तुलसी राम पाल, मो. 9412302303



रचित पाल / 28-03-1996 (उन्नाव) / 6' / एमबीए, बीटेक, जेएआईआईबी / नवी मुम्बई में विप्रो में कंसलटेंट के पद पर कार्यरत / वार्षिक आय-20 लाख रुपये / गोत्र- सपहा / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें: श्री राधेश्याम पाल, मो. 9870271294



शिवम पाल / 10-04-1997 (हरदोई) / 5'5'' / एमकॉम / हौजरी एवं टैक्सटाइल का थोक व्यापार / वार्षिक आय-15 लाख रुपये / गोत्र- डंडवार व बटोहिया / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें: श्री सुरेश चन्द्र पाल, मो. 9918632235



अरुण पाल / 8-12-1993 (अंबाला) / कद-5'8'' / एमबीए / हैदराबाद की कम्पनी में सीनियर एनालिस्ट के पद पर कार्यरत / गोत्र-बनिया व परिहार / सुंदर व स्वस्थ युवक हेतु वधू चाहिए। संपर्क करें- श्री जयंती प्रसाद पाल, मो. 9550974277, 8801990124

वर चाहिए



निकिता पाल / 08-10-1995 (गाजियाबाद)/ 4'10''/शुद्ध शाकाहारी/एम.कॉम उत्तीर्ण/गौत्र-ढकेरिया, पिंडवार/सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। सम्पर्क करें: श्री रघुवर सिंह पाल, मो. 9560836769, 8076086523



लीलावती (रेनू पाल) / 24-10-1991 (नई दिल्ली), 5'3'' / गोत्र- काछ व कश्यप / एमएससी बॉटनी, बीएड उत्तीर्ण / सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य सजातीय वर चाहिए। सम्पर्क करें- श्री मुन्नी लाल पाल, मो. 9818086343



नीता पाल / 30-09-1992, सायं 4:30 बजे (लखनऊ) / 5'3'' / गोत्र- कश्यप / एमकॉम / सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य सजातीय वर चाहिए। सम्पर्क करें- श्री अजय पाल, मो. 8827274554, 9893589986



कु. दीपशिखा पाल / 16-07-1991, 7 बजे प्रातः (वाराणसी) / 5'2''/ रंग-साफ/ बी.टेक सी.एस., बी.एड, सीटेट, पीईटी उत्तीर्ण / सरकारी नौकरी के लिए प्रयासरत / गौत्र-द्रुवा / सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। सम्पर्क करें: श्री आर.ए. पाल, मो. 9569988360



आकांक्षा पाल / 25-02-1996, (कानपुर) / 150 सेमी. / रंग-साफ/ बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग / गोरखपुर एम्स में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत / गौत्र-चंदेल व हिनवार / सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। सम्पर्क करें: श्री रामहित पाल, मो. 8953640460



नीतिका पाल (मांगलिक) / 18-03-1997 (इलाहाबाद), 11:25 बजे पूर्वाह्न / 5'1'' / रंग-साफ / गोत्र- बनिया व हिनवार / एमए अंग्रेजी, बीएड/ सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य सजातीय वर चाहिए। सम्पर्क करें- श्री ओमप्रकाश पाल (लखनऊ), मो. 9415583164



कु. योगिता / 02-06-1998 (नई दिल्ली)/ 5'1'' / रंग-साफ / गोत्र- हिनवार व हाँस / बी.ए., बुनियादी कम्प्यूटर ज्ञान/ सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य सजातीय वर चाहिए। सम्पर्क करें- श्री नरेश कुमार, मो. 8743878914



किरन पाल/ 07-03-1995 (चंदौली/हैदराबाद), 145 सेमी/ गोत्र- बँसहवा/बी.एससी. (बॉटनी, जूलॉजी, केमिस्ट्री), एम.ए. (साइकोलॉजी), एम.एससी (बायोटेक्नॉलॉजी), एम.एड., नेट, सेट, सीटीईटी, यूपी टीईटी, तेलंगाना टीईटी, आर्मी स्कूल पीजीटी एवं टीजीटी परीक्षा उत्तीर्ण, जे.आर.एफ. के लिए प्रयासरत/केंद्रीय विद्यालय और उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद से शिक्षित/ हैदराबाद में अध्यापनरत/सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य सजातीय वर चाहिए। संपर्क करें : डॉ. दया शंकर प्रसाद, मो. 7588049521



प्रतिष्ठा पाल (मांगलिक) / 28-10-1992 / 10:28 पूर्वान्ह (लखनऊ) / 5'4''/ गोत्र-बरगुलिया एवं आलेमान/ एम.फिल.क्लीनिकल साइकोलॉजी / पी.एच.डी निरन्तर / दिल्ली में लेक्चरर पद पर कार्यरत / सुन्दर एवं सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। संपर्क करें : श्री विनय कुमार पाल, मो. 6392820089



संगीता पाल/ 20-11-1995, प्रातः 8 बजे (प्रयागराज)/ 5'4''/ बी.एससी बायोलॉजी, बीएड/ प्राइवेट स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत/ गौत्र-वासु/ सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सरकारी नौकरी वाला वर चाहिए। सम्पर्क करें- श्री सुखदेव प्रसाद पाल, मो. 8318932412, 9450309788



निशा पाल/ 12-07-1997 (शाहजहांपुर)/ 5'3''/ बीए, मास्टर ऑफ सोशल वर्क, बीएड अंतिम वर्ष में अध्ययनरत/ गौत्र-बटहिया व हिरनवार। सुन्दर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य सजातीय वर चाहिए। सम्पर्क करें- श्री हरिओम पाल, मो. 9005695350, 9140883241



सोनल पाल/30-08-1993, 4:25 सायं (नई दिल्ली)/5'3''/बी.ए., डिप्लोमा इन फूड एण्ड बेवरेज/आईटीसी लिमिटेड होटल नई दिल्ली में शेफ के पद पर कार्यरत/गौत्र-कश्यप व बिचौलिया/सुन्दर व सुशील कन्या हेतु वर चाहिए। सम्पर्क करें-श्री राम सेवक पाल, मो. 9818868478 (भारत), +97332178368 (बहरीन)



प्रियंका पाल/32 वर्ष (फरुर्खाबाद)/5'2''/रंग-साफ/एम.ए. (हिन्दी), बीएड, एमएड, बीटीसी टीईटी क्वालिफाइड, टीजीटी व पीजीटी के लिए प्रयासरत/गौत्र-हिरनवार व रौतेले/सुन्दर व सुशील कन्या हेतु वर चाहिए। सम्पर्क करें-श्री अनमोल पाल, मो. 9452087814, 9335021514



अंजली बघेल/4-10-2001, 05:13 प्रातः (लखनऊ)/ 5'6''/रंग-साफ/ आईआईटी बंबई से मास्टर इन ग्राफिक डिजाइन/फाइनेंस कंपनी में कार्यरत/आय 15 लाख प्रतिवर्ष/गोत्र-रामकोटी व नारद/सुंदर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। सम्पर्क करें- सूबेदार आर.एस. बघेल, मो. 8800506394



अनामिका पाल/07-09-2001(ललितपुर)/5'2''/रंग-साफ/ बी.एस.सी., बी.फार्मा/ गोत्र-फूलसिंगा/सुंदर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। संपर्क करें- श्री रामेश्वर प्रसाद पाल, मो. 9794600734, 7905330554



मृणालिनी पाल/20-09-1996(लखनऊ)/5'2''/रंग-साफ/ बी.कॉम, एलएलबी (ऑनर्स), एलएलएम/ न्यायिक सेवा हेतु प्रयासरत / गोत्र-डंडीमार बनिया/सुंदर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। संपर्क करें- श्री हरिमोहन पाल, मो. 9415485409, 9369542154

अमिता पाल/ 11-02-1999, 6:20प्रातः (सतना) /5'6''/रंग-साफ/ एम.ए.,/ स्टार होंडा सतना में कार्यरत / गोत्र-बेलहा व सत्कहा/सुंदर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। संपर्क करें- श्री रामौतार पाल, मो. 6266437731

अंजली पाल/ 05-12-1998, 12:50 दोपहर (गुना)/5'2''/रंग-साफ/ बीए, एलएलबी (ऑनर्स)/गोत्र-फुलवा / सुंदर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। संपर्क करें- श्री चरन सिंह पाल, मो. 8319368521, 9399314385

ज्ञानश्री पाल/ 31-12-1997 (ललितपुर)/5'4''/रंग-साफ/एम.टेक/ नोएडा की कम्पनी में प्रोडक्ट वेलिडेशन इंजीनियर के पद पर कार्यरत/ गोत्र-लखौमिया व कछवाह/ सुंदर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। संपर्क करें- श्री छोटे लाल पाल, मो. 7987569629, 7318380462

श्वेता पाल/ 27-12-1998 (लखनऊ)/5'/रंग-साफ/एम.ए., बीएड, टीईटी-सीटेट उत्तीर्ण/ स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत/ गोत्र-हिनवार/ सुंदर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। संपर्क करें- श्री प्रेम शंकर पाल, मो. 9621759285, 9450094818

डॉ. आस्था पाल/ 29-02-1992 (कानपुर),प्रातः 9:48 बजे/रंग-साफ/बीएचएमएस, एमडी (गोल्ड मेडलिस्ट) / चंदेला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत/ गोत्र-हिरनवार व सामरा/ सुंदर व सुशील कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए। संपर्क करें- डॉ. एस.एस. पाल, मो. 7007015607

आकांक्षा पाल (मांगलिक)/ 03-05-1995 (काशीपुर, उत्तराखंड) / रंग-साफ/ गोत्र-निहालिया बनिया व चंदिया चंदेल / बी.टेक (इलैक्ट्रिकल एण्ड इलैक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग), एमबीए / सिलारिस इंफोर्मेशन्स प्राइवेट लिमिटेड गुड़गांव में टीएल एचआर के पद पर कार्यरत/ सुन्दर व सुशील कन्या हेतु मांगलिक वर चाहिए। संपर्क करें : श्री फूलसिंह पाल, मो. 9557703756, 7417756874

मात्र पत्र ही नहीं–एक अभियान है

हरिकमल दर्पण विवाह सूचना

यदि अपने विवाह योग्य पुत्र/पुत्री के लिये योग्य जीवनसाथी की तलाश कर रहे हैं तो, अब चिन्ता की कोई बात नहीं है। हरिकमल दर्पण आपके साथ है। हरिकमल दर्पण में प्रकाशित सूचनायें देशभर में पढ़ी जाती हैं। आज ही फोटो व बायोडाटा हमें भेजें।

सहयोग राशि

एक माह निरन्तर प्रकाशन के लिये (फोटो बगैर) 100/-
एक माह निरन्तर प्रकाशन के लिये (फोटो सहित) 200/-

आप सहयोग राशि सीधे ही हमारे भारतीय स्टेट बैंक के अकाउन्ट नं0 10493870240 में 'हरिकमल दर्पण' के नाम से जमा करा सकते हैं (IFSC Code : SBIN0002321)। फार्म के साथ रुपये जमा करने की रसीद की फोटो व्हाट्सअप नम्बर 9358430959 पर भेजें। इसी मोबाइल नम्बर पर 'फोन पे' की सुविधा भी उपलब्ध है।
विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें : मो0 9358430959

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ




मो. 9837511441

गुरु कृपा रेफ्रिजरेशन
एसी एवं फ्रिज के स्पेयर पार्ट्स के विक्रेता

मैन रोड, फूलबाग कॉलोनी, मेरठ

मै. संजीव कुमार एण्ड कम्पनी

सब्जी के फुटकर व थोक विक्रेता

ओमप्रकाश : 9917448067, सतीश पाल : 9837511441
रिंकूपाल : 9837307118, अमित पाल : 9719242419

दुकान नं.-49, नवीन सब्जी मण्डी, देहली रोड, मेरठ




Dr. Tejpal Singh
Mob: 9927222349
9927561460
Aakash Singhal
Mob: 8057137000
7983634110

MADHU NURSING HOME

ALL T.P.A. CASHLESS FACILITY AVAILABLE

44-A, NAI SARAK, SHASTRI NAGAR, MEERUT




Prop. Tapesh Pal
9927132766

Vineet Kaushik
9761841241

VENUS PROPERTIES

सरस्वती लोक, द्वारिकापुरी, प्रताप विहार, माधवपुरम में फ्लैट, डुप्लैक्स, सिम्प्लैक्स, दुकान, गोदाम आदि बेचने व खरीदने के लिए सम्पर्क करें।

पता :- लवकुश मार्केट, निकट सरस्वती लोक, मेरठ

हमारे राष्ट्रीय प्रतिनिधि

श्री रूपेश पाल
मो. 7404131706

हमारे प्रांतीय प्रतिनिधि

1. **महाराष्ट्र में**
श्री सुशील कुमार पाल
मो. 9999525007
2. **उत्तराखण्ड में**
1. श्री विजय सिंह पाल
मो. 9548489681, 9760339669
2. श्री वेदप्रकाश पाल
मो. 8077898033
3. **दिल्ली में**
श्री प्रेम सिंह पाल
मो. 9871172373, 7982960892
4. **हरियाणा में**
श्री श्याम शंकर पाल (सचिन)
मो. 9891441417
5. **उत्तर प्रदेश में**
श्री संतोष कुमार पाल
मो. 9193921911, 9621191911
6. **छत्तीसगढ़ में**
श्री नारायण प्रसाद पाली
मो. 9575761235
7. **पंजाब में**
1. श्री संदीप कुमार पाल
मो. 9023982213
2. श्री बरखा राम
मो. 7889258023
7. **तेलंगाना में**
श्री रवि कुमार बघेल
मो. 9000778445

हमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधि

1. **मुरादनगर में**
श्री भूपेन्द्र कुमार पाल
मो0 8527763254
2. **नरोरा में**
श्री विजेन्द्र सिंह धनगर
मो0 8650075728
3. **पहासू में**
श्री चन्दन सिंह धनगर
मो.9457004562, 7529946519
4. **बिलग्राम में**
श्री विपिन कुमार पाल
मो. 9582620008
5. **कन्नौज में**
श्री बृजमोहन पाल
मो. 9956090492
6. **महरौनी में**
श्री कोमल पाल
मो. 8127190960
7. **शाहजहाँपुर में**
श्री रामकुमार पाल
मो. 7042873133
8. **खतौली में**
श्री सुन्दर पाल एडवोकेट
मो. 9719847171, 8077129237
9. **साहिबाबाद में**
श्रीमती गीता रानी पाल
मो. 9354336067, 7982179272
10. **रोहिणी (दिल्ली) में**
श्री मनोज कुमार पाल
मो. 9313779070
11. **उन्नाव में**
श्री आकाश पाल
मो. 6391192033,7071726209
12. **बार (ललितपुर) में**
श्री नीलेश कुमार पाल
मो. 7985946865
13. **ललितपुर नगर में**
श्री संतोष कुमार पाल
मो. 8009679179
14. **गुरुग्राम में**
श्री संतोष पाल
मो. 9891091188
15. **सोहना (गुरुग्राम) में**
श्रीमती अंजली पाल
मो. 8700170392





प्रो. मूलचंद पाल
कविश पाल

www.zew.co.in
www.bathfittings.co.in

मो. 9837170164

GSTIN:09AJLPC7402N1ZY

श्री नव दुर्गा सेनेट्री स्टोर

एफ-17, गेट नं.2, नंद विहार, रोहटा रोड, मेरठ

राजेन्द्र पाल (गेसूपुर वाले)
9627004403
9760420903




अनुराग चौहान
8445569975
9927470204



सिद्धबली प्रोपर्टीज



मकान, दुकान, प्लाट, कोठी, कृषि फार्म, खरीदने व बेचने के लिये सम्पर्क करें



ग्राम-गोकुलपुर, निकट दतावली मोड़, गढ़ रोड, मेरठ

धर्मपाल गडरिया
दीपक पाल
रोशन पाल
रवि पाल
नीरज पाल



9012060051
9897876137
9738402838
9012258696
9808180605

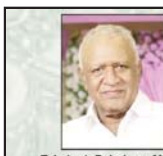


पाल साड़ी महल

(प्रधान जी खड़ौली वाले)

सभी प्रकार की वैवाहिक साड़ियाँ,
सूटिंग-शर्टिंग, लहंगा-चुनरी आदि के विक्रेता

मैन मार्किट, गोलाबढ़, रोहटा रोड, मेरठ




Tej singh Pehalwan Mandolla
Mo. 8368759484

Ved Parkash Pal Mandolla
Mo. 8447840730

DLH



Major (Dr.) Rajeev Pal
Mo. 8860309159

DELHI LEHANGA HOUSE

Deals in : SAREES, LEHANGA & DRESS

75, First Floor, Moti Bazar, Chandni Chowk, Delhi-110006

For Appoiment Please Call us

Ph : 011-44744756-8447840730



होल्कर जीवन साथी विवाह ग्रुप

मन मुताबिक रिश्तें पाऐं

अनिल कुमार होल्कर : 9650637209 / 7291084978

www.holkarjiwansaathi.com



कुंवर पाल (छोटा हसनपुर वाले)
9897249993, 9368687813

के पी प्रॉपर्टीज
K P Properties

प्लॉट, मकान, दुकान, कोठी, कृषि फार्म, खरीदने व बेचने के लिये सम्पर्क करें



ऑफिसः- ग्राम छोटा हसनपुर निकट शिव मंदिर गढ़ रोड मेरठ

जय गुरुदेव
जय साईं राम



प्रो. तेजवीर सिंह
9359802154
9997012483



जोगिन्द्र पाल
9897703306
8881333520

पाल सैटरिंग हाउस



हमारे यहाँ कच्ची-पक्की सैटरिंग का सामान किराये पर मिलता है।

सी-2, सै0-1, शताब्दी नगर, रिठानी (मेरठ)

हमारी खाता संख्या

किसी भी तरह की राशि आप सीधे ही हमारे भारतीय स्टेट बैंक के अकाउन्ट नं. 10493870240 में 'हरिकमल दर्पण' के नाम से जमा करा सकते हैं (IFSC Code : SBIN0002321)। मोबाइल नम्बर 9358430959 पर फोन पे की सुविधा भी उपलब्ध है।

हरिकमल दर्पण

(5, 12, 19 व 26 तारीख को प्रकाशित)

सदस्यता शुल्क

आजीवन	1000 रुपये
वार्षिक	100 रुपये

विज्ञापन की दरें (श्वेत श्याम)

वर्गीकृत	10 रुपये (प्रति शब्द)
सजावटी	100 रुपये (प्रति कालम से.मी.)
पूर्ण पृष्ठ	18000 रुपये
आधा पृष्ठ	10000 रुपये
प्रथम पृष्ठ	50% अतिरिक्त

विज्ञापन दरें (रंगीन)

सजावटी	150 रुपये (प्रति कालम से.मी.)
पूरा पृष्ठ	28000 रुपये
आधा पृष्ठ	15000 रुपये
चौथाई पृष्ठ	8000 रुपये
प्रथम पृष्ठ	50% अतिरिक्त

हरिकमल दर्पण

स्वत्वाधिकारी हरिकमल दर्पण प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक कमल सिंह द्वारा 60, शिवशंकर पुरी, मेरठ शहर-250002 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं मुद्रक चाहत त्यागी द्वारा चाहत प्रिंटर्स, सी-30, प्रीत विहार, नौचंदी ग्राउंड, मेरठ-250004 (उ.प्र.) से मुद्रित।

सम्पादक-निरंजन सिंह

आरएनआई/पीआरजीआई नं.: 59755/94

मो. 9358430959

स्वाभिमान - संस्कार - सहयोग - सेवा - समर्पण

स्वाभिमान शिक्षा संस्कृति ट्रस्ट (रजि.)

रजि. न. 530

देवी अहिल्या बाई सामूहिक विवाह सेवा ट्रस्ट (रजि.)

धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ


श्री राम प्रकाश | श्री वशं पाल सिंह | श्री महेश चन्द पाल | श्री सुरेश पाल


श्री जे.डी. पाल | श्री मंगत राम | डॉ. मनोज पाल | एडवोकेट सुभाष पाल | श्री ललित कुमार

निवेदकः- स्वाभिमान शिक्षा संस्कृति ट्रस्ट (रजि.)

मो. 9958362969, 9999903344, 9313191140, 9354008031
9310969775, 9818532500, 9212381537, 9811098062, 9818744044



सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ

Rajveer Singh Pal
9822402808

ISO : 9001 CERTIFIED COMPANY



Sai Engineering

Mfg. Press, Panel Checkers,
VMC Job Works, Engineering Works

Sector No. 10, Plot No. 131, PCNTDA, Bhosari 411026
Email : saiengineering2003@gmail.com website :- www.saieng.co.in

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ


Omkar Singh
M. 9358406246


Prem Chand
M. 9837784774, 7017027761


Mahesh Pal
M. 9837094465

New Pal Refrigeration
Begum Bagh, Meerut

Hotel Grant Deluxe
hotelgrantdeluxe.hotel@gmail.com

Hotel Diamond
hoteldiamond.hotel@gmail.com

331/A, Panchseel Colony, Near Sohrab Gate Bus Stand, Garh Road, Meerut

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ


Late Moolchand Pal
(Founder)


Nand Lal Pal


Sanjay Pal

9105810752
9760398532
0121-2528610

Pal





Mishthan Bhandar

Chopla Lisari Gate, Meerut (U.P.) India

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ


J.D. Pal
9310969775
9311969775


Guddu Bhai
9911203098
9911203099


Rakesh Pal
9811969775
9312985832

PAL GOODS CARRIER

FLEET OWNER TRANSPORT CONTRACTOR

COMMISSION AGENT FULL LOAD TRUCK
ALL OVER INDIA

FASTEST CARGO MOVERS
Since-1967
LEADING ROAD CARRIERS & FLEET OWNERS
SAURASHTRA ROADWAYS BANGALORE
SRB POWER BEYOND CARGO

Daily Service : Andhra, Karnataka, Kerala, Maharashtra
Tamilnadu, Telangana, Odisha (Bhubaneswar & Cuttack), Kolkata

H.O.: Shop No. 6, Lakhmi Piau, Near Master Property
G.T. Road, Kundli, Sonepat, Haryana

Note : Pickup Local Vehicle Available for Delhi-NCR

सौजन्य से : जे.डी. पाल

- प्रधान-आरडब्ल्यूए सरूप नगर दिल्ली
- प्रधान-पाल समाज सरूप नगर दिल्ली
- प्रधान-पाल समाज सोसाइटी सरूप नगर दिल्ली
- कोषाध्यक्ष-माता रामबेटी वृद्ध आश्रम दिल्ली
- सदस्य-अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन कुण्डली सोनीपत हरियाणा
- संस्थापक-देवी अहिल्याबाई सामूहिक विवाह सेवा ट्रस्ट रजि. दिल्ली
- आजीवन सदस्य-हरिकमल दर्पण
- अध्यक्ष-स्वाभिमान शिक्षा संस्कृति ट्रस्ट रजि. दिल्ली प्रदेश

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ


प्रो. महेश चन्द पाल

FSSAI No.-13314002000281

AGMARK
Mustard Oil
Grade - II

केशव

कच्ची घानी
सरसों का तेल

R.K.TRADING CO.

I-119, Sec-4, DSIIDC Industrial Area Bawana, Delhi-110081

Mo. 999903344

सभी देशवासियों को धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ

रणवीर सिंह बघेल



डायरेक्टर : बेस्ट एंटरप्राइसेस (सिक्योरिटी सर्विस)

संस्थापक अध्यक्ष : पाल बघेल विकास संघ पुणे

उपाध्यक्ष : नेशनल एक्स सर्विसमैन कोऑर्डिनेशन कमेटी महाराष्ट्र

मो. : 9423245315

आफिस नं. 326, जय गणेश विश्वा, सैकेंड फ्लोर, विश्रांतवाडी, पुणे-15

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ



सत्यप्रकाश पाल
अध्यक्ष
अखिल भारतीय पाल महासभा मेरठ



दीपक पाल
अध्यक्ष
अखिल भारतीय युवा पाल महासभा मेरठ

एवं समस्त कार्यकारिणी

स्वाभिमान महासभा उत्तर प्रदेश

की ओर से

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ



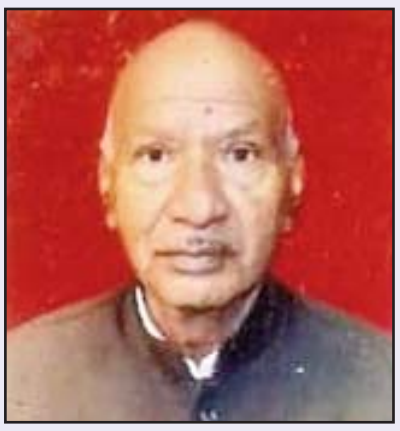
डॉ. आर.बी. पाल
अध्यक्ष



डॉ. सुधीर पाल
महामंत्री

वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश पाल (सेवानिवृत डिफेंस), उपाध्यक्ष सोने लाल गौतम (एडवोकेट), उपाध्यक्ष साजिद सर (प्रबंधक), उपाध्यक्ष सर्वेश कमल (एलआईसी), कोषाध्यक्ष डॉ. दयाशंकर पाल (सेवानिवृत डिफेंस), सदस्य हनुमेंद्र प्रजापति (लीगल एडवाइजर रेलवे), सदस्य राजेंद्र प्रसाद (एडवोकेट), सदस्य देवीप्रसाद निषाद (सेवानिवृत डिफेंस), सदस्य रमाकांत पाल (सेवानिवृत डिफेंस), सदस्य अनिल कुमार पाल (प्रबंधक), सदस्य राजेश कुमार पाल (प्रबंधक), सदस्य राजेश कुमार पाल (बिजनेसमैन), सदस्य आशुतोष पाल (फार्मेसिस्ट), सदस्य राजकुमार पाल (सेवानिवृत डिफेंस), सदस्य प्रदीप कुमार पाल (एडवोकेट)

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन-पूजा एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ



संस्थापक : मूलचंद पाल

पाल मिष्ठान भंडार लिसाड़ी गेट वालों का नया प्रतिष्ठान

रॉयल पैलेस

बैंकट हॉल



विवाह-शादी, पार्टी आदि के लिए बुकिंग प्रारम्भ है।

संपर्क करें : नंदलाल पाल एडवोकेट, मो . 9760607524
संजय पाल, मो. 9760398532
राजकुमार पाल, मो. 9756882773

पाल कैटर्स : हमारे यहाँ कुशल कारीगरों द्वारा हलवाई का कार्य कराया जाता है। संपर्क करें : श्री वेदपाल जी, मो . 9359975421, 7830875872

पुलिस चौकी के सामने, माधव पुरम, मेरठ शहर